अविनाश शर्मा सक्ति जिले के जिला प्रभारी नियुक्त

पाक्षिक

क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

सामाजिक क्रांति के पथ पर अग्रसर

स्थापना दिवस विशेष

कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल से सौजन्य भेंट

◆ वर्ष - 23 ◆ अंक - 02 ◆ रायपुर 20 जुलाई 2026 ◆ पृष्ठ - 08 ◆ मूल्य-5/- रुपया

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन ट्रैक पर, पीएम ने दिखाई झंडी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने देश में स्वच्छ और टिकाऊ गतिशीलता के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक छलांग लगाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को हरियाणा के जींद से सोनीपत रेल खंड के बीच भारत की पहली स्वदेशी 'हाइड्रोजन-संचालित' विशेष पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह आधुनिक परियोजना भारतीय रेलवे को दुनिया के उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा कर दिया है जहां पर्यावरण अनुकूल हाइड्रोजन तकनीक का इस्तेमाल वाणिज्यिक परिवहन में किया जाता है। रेल मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, यह नई शुरुआत देश के रेलवे नेटवर्क में पूरी तरह से शून्य-उत्सर्जन आधारित टिकाऊ रेल परिवहन की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। हाइड्रोजन ट्रेन तकनीकी दृष्टिकोण से, यह नई ट्रेन पारंपरिक डीजल या ऊपर से गुजरने वाले बिजली के तारों पर निर्भर रहने वाली इलेक्ट्रिक ट्रेनों से पूरी तरह अलग है। इस ट्रेन के भीतर स्वदेशी 'हाइड्रोजन फ्यूल सेल' तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिसकी वजह से यह ट्रेन अपना ऊर्जा स्रोत खुद साथ लेकर चलती है। ट्रेन की छत पर विशेष गैस सिलेंडर लगाए गए हैं जिनमें अत्यधिक सुरक्षित दबाव में हाइड्रोजन गैस भरी होती है। परिचालन के दौरान, इस हाइड्रोजन गैस को बाहर की हवा से मिलने वाली ऑक्सीजन के साथ मिलाकर एक विशेष रासायनिक प्रक्रिया कराई जाती है। इस सुरक्षित प्रक्रिया से जो बिजली उत्पन्न होती है, वह सीधे ट्रेन के

शक्तिशाली इलेक्ट्रिक मोटर को चलाती है। चूंकि इसमें किसी भी प्रकार का कोई ईंधन नहीं जलाया जाता, इसलिए इस ट्रेन से बिल्कुल भी वायु प्रदूषण नहीं होता है।

यह नई ट्रेन 10 कोच वाली एक बॉडीगेज ट्रेन है, जिसे दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन-संचालित ट्रेनों में से एक माना जा रहा है। इसमें 2400 किलोवाट क्षमता का एक बेहद शक्तिशाली इंजन लगाया गया है, जिसमें 1200 किलोवाट क्षमता की दो विशेष ड्राइविंग पावर कार शामिल हैं। हालांकि इस ट्रेन को तकनीकी रूप से 120 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति से दौड़ने के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन शुरुआती चरण में इसका परिचालन 75 किलोमीटर प्रति घंटा की नियंत्रित रफ्तार से किया जाएगा। सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ट्रेन के भीतर उन्नत सुरक्षा उपकरण जैसे हाइड्रोजन लीक डिटेक्टर, फ्लेम डिटेक्शन सिस्टम और निरंतर गैस निगरानी तकनीक लगाई गई है, जो किसी भी आपात स्थिति या गैस रिसाव का आभास होते ही हाइड्रोजन की मुख्य आपूर्ति को अपने आप तुरंत बंद कर देगी। यह ट्रेन न केवल पर्यावरण के लिए अनुकूल है, बल्कि आम जनता की जेब के लिए भी बेहद किफायती साबित होने वाली है। जींद से सोनीपत के बीच कुल 89 किलोमीटर की इस यात्रा को पूरा करने के लिए रेल मंत्रालय ने अधिकतम किराया महज 25 रुपये निर्धारित किया है, जबकि यात्रा का न्यूनतम किराया सिर्फ 5 रुपये से लेकर 25 रुपये के बीच रहेगा। लगभग 82 करोड़ की कुल लागत से निर्मित यह 682 सीटों वाली ट्रेन अपनी पूरी यात्रा के दौरान कुल 12 स्थानीय स्टेशनों पर रुकेगी, जिनमें मुख्य रूप से जींद सिटी, पांडू पिंडारा, ललित खेड़ा, भांबेला, इसापुर खेड़ी, बुताना, खंडराई, गोहाना, रबड़ा, लाठ, मोहन हरियाणा और बरवासनी शामिल हैं। इन सभी ठहरावों को कवर करते हुए यह ट्रेन करीब दो घंटे में अपना सफर पूरा करेगी, जिससे इस रूट पर दैनिक यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को बेहद सस्ती और विश्वस्तरीय सुविधा प्राप्त होगी।

सार समाचार

ऑल टाइम लो के करीब पहुंचा रुपया, आई गिरावट

नई दिल्ली। रुपये की कीमत में आज काफी गिरावट आई है। हफ्ते के पहले दिन रुपया शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 12 पैसे गिर गया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण डॉलर की मांग बढ़ी है। साथ ही इक्विटी मार्केट से विदेशी पूंजी की निकासी ने भी रुपये को प्रभावित किया है। रुपया शुक्रवार को बंद हुए भाव के मुकाबले आज 0.2% गिरकर 96.4575 प्रति डॉलर पर आ गया। यह 21 मई के बाद का सबसे निचला स्तर है। मई में यह 96.96 के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा था। घरेलू बाजार के अच्छे सेंटीमेंट और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में कमी के कारण शुर्र वार को रुपया 12 पैसे मजबूत हुआ था।

शेयर बाजार में भारी गिरावट 600 अंक टूटा सेंसेक्स

नई दिल्ली। एशियाई बाजारों के मिलेजुले प्रदर्शन और कच्चे तेल की कीमत में उछाल के बीच आज घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में गिरावट आई है। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स में 600 अंक से अधिक गिरावट आई है जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 150 अंक टूट गया। सुबह 9.35 बजे सेंसेक्स 605.05 अंक यानी 0.77% गिरावट के साथ 77,546.40 अंक पर आ गया। निफ्टी भी 149.70 अंक यानी 0.62% टूटकर 24,184.60 अंक पर ट्रेड कर रहा था। पिछले सत्र में सेंसेक्स 964.58 अंक की तेजी के साथ 78,151.45 अंक पर बंद हुआ थी जबकि निफ्टी 261.55 अंक ऊपर 24,334.30 अंक पर बंद हुआ था।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री ने दी बधाई

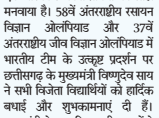

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान प्रतियोगिताओं में भारतीय विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। 58वें अंतरराष्ट्रीय रसायन विज्ञान ओलंपियाड और 37वें अंतरराष्ट्रीय जीव विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी विजेता विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय छात्रों ने वैश्विक मंच पर देश का गौरव बढ़ाते हुए विज्ञान के क्षेत्र में नई उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने इसे देश के युवाओं की प्रतिभा, परिश्रम और वैज्ञानिक सोच का प्रमाण बताया। साय ने अपने संदेश में कहा कि 58वें अंतरराष्ट्रीय रसायन विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय टीम ने सभी चार स्वर्ण पदक जीतकर ऐतिहासिक सफलता हासिल की है।

नई पीढ़ी का भविष्य संवारना ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी- मुख्यमंत्री साय

राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में नवप्रवेशी बच्चों का किया आत्मीय स्वागत

रायपुर। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाना नहीं, बल्कि बच्चों में नैतिक मूल्यों, वैज्ञानिक सोच, सामाजिक संवेदनशीलता और राष्ट्रभावना का विकास करना है। शिक्षा संस्कारित समाज, सशक्त राष्ट्र और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की सबसे मजबूत आधारशिला है। राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी बच्चा संसाधनों या अवसरों के अभाव में अपने सपनों से वंचित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक अधोसंरचना, तकनीकी संसाधन और समान अवसर उपलब्ध कराकर प्रदेश की नई पीढ़ी को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जामगांव (एम) में आयोजित राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव 2026-27 को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने शाला प्रवेशोत्सव कार्यर म के प्रारंभ में विद्यालय में पहली बार प्रवेश लेने वाले नन्हे बच्चों का तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कराकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने बच्चों को पॉज़िटिव पूर्वक आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे मन लगाकर अध्ययन करें, बड़े सपने

देखें और अपने ज्ञान, प्रतिभा एवं संस्कारों से परिवार, समाज, प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि बच्चों की मुस्कान और उनकी आंखों में बसे सपने ही विकसित छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कक्षा पहली, छठवीं एवं नवमी के चयनित विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें, गणवेश एवं स्कूल बैग वितरित किए। साथ ही कक्षा नवमी की छात्राओं को साइकिल प्रदान कर उन्हें उच्च शिक्षा के लिए निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रीय साधन सह प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि प्रतिभा किसी क्षेत्र या परिस्थिति की मोहताज नहीं होती, आवश्यकता केवल सही अवसर और उचित मार्गदर्शन की होती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को केवल बेहतर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक और समावेशी बना रही है। प्रदेश के विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, समय पर निःशुल्क पुस्तक एवं गणवेश वितरण, अतिरिक्त पौष्टिक

विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव है गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : मुख्यमंत्री

आहार, नियमित पालक-शिक्षक बैठक, न्योता भोज और भारतीय संस्कृति पर आधारित विभिन्न नवाचारों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास का वातावरण तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने युक्तियुक्तकरण के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार किए हैं। आज प्रदेश का कोई भी विद्यालय शिक्षक विहीन नहीं है।

लोकसभा और राज्यसभा में भारी हंगामा

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो गया है। सत्र के पहले ही दिन सदन में तीखी नोकझोंक देखने को मिली। विपक्ष द्वारा लगातार की जा रही नारेबाजी और हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही को दोपहर 3 बजे तक स्थगित करना पड़ा। यह सत्र काफी हंगामेदार रहने के आसार हैं। विपक्ष ने सरकार को घेरने के लिए कई बड़े मुद्दे तैयार कर रखे हैं। इसमें मुख्य रूप से राम मंदिर दान चोरी का मामला, नीट परीक्षा में पेपर लीक, पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का विरोध प्रदर्शन, ई20 पेट्रोल नीति और डेलिमिटेशन (परिसीमन) पर पहले ही गिर चुका संविधान संशोधन विधेयक शामिल है। सत्र की शुरुआत से पहले सरकार ने सभी विपक्षी दलों से सहयोग की अपील की है। सरकार ने राष्ट्रीय विकास के हित में संसद के सुचारू संचालन की बात कही है। सरकार ने विपक्ष से आग्रह किया है कि वे रचनात्मक बहस में भाग लें और विचार के लिए सूचीबद्ध आठ विधेयकों को पारित कराने में अपना समर्थन दें। यह नया सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कुल 25 दिनों में संसद की 19 बैठकें आयोजित की जाएंगी। राजनीतिक समीकरणों में आए बदलाव के बीच यह सत्र काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। केंद्र सरकार इस सत्र में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक को दोबारा पेश कर सकती है। इस बिल में लोकसभा की सदस्य संख्या बढ़ाकर 850 करने और महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रस्ताव है। गौर हो कि अप्रैल में दो-तिहाई बहुमत न मिल पाने के कारण बिल पारित नहीं हो सका था। सत्र की शुरुआत 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) द्वारा प्रस्तावित 'चलो संसद' मार्च के शोर के बीच हुई है। सीजेपी नीट परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इस मार्च की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। सीजेपी संसद भवन से महज 2-3 किलोमीटर दूर जंतर-मंतर पर धरना दे रही है।

पुरी रथयात्रा में भगदड़ एक की मौत,100 घायल

पुरी। विश्व प्रसिद्ध पुरी रथ यात्रा के दौरान उस समय एक अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई, जब भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए उमड़े जनसैलाब में अत्यधिक भीड़ के कारण भगदड़ मच गई। बड़ादांड पर मची इस भगदड़ में दबने और दम घुटने के कारण एक श्रद्धालु की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक 100 श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गया है। इसके अलावा कई अन्य लोगों को भी मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार, महाप्रभु जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के दर्शन तथा रथ खींचने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचे थे। रथ यात्रा के दौरान बड़ादांड पर भीड़ का दबाव अचानक बहुत ज्यादा बढ़ गया, जिससे कुछ जगहों पर स्थिति प्रशासन के नियंत्रण से बाहर हो गई। श्रद्धालुओं के बीच आगे बढ़ने की होड़ में अचानक धक्का-

मुक्की और ठेलमठेल शुरू हो गई। इसी अफरा-तफरी के बीच पैर फिसलने से कुछ श्रद्धालु जमीन पर गिर गए और भीड़ के नीचे दब गए। घटनास्थल पर तैनात पुलिस बल और विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों (जैसे सेंट जॉन एम्बुलेंस) के सदस्यों ने बिना समय गंवाए मुस्तैदी दिखाई। उन्होंने तुरंत भीड़ के बीच से प्रभावित श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाला और एम्बुलेंस के जरिए नजदीकी जिला मुख्य अस्पताल पहुंचाया।

अविश्वास प्रस्ताव खारिज

मुख्यमंत्री बोले झूठ में पीएचडी है कांग्रेस

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन कांग्रेस द्वारा भाजपा सरकार के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज हो गया। इस प्रस्ताव पर सदन में 14 घंटे 30 मिनट तक चर्चा चली। सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप और तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। चर्चा के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया और कहा कि जनता ने झूठ और भ्रष्टाचार की राजनीति को पहले ही नकार दिया है। इसके बाद अविश्वास प्रस्ताव को सदन ने अस्वीकार कर दिया। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने अविश्वास प्रस्ताव पेश करते हुए राज्य सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने

कहा कि प्रदेश में लोकतांत्रिक परंपराओं की अनदेखी हो रही है। कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी है और सरकार जन कल्याणकारी योजनाओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है। महंत ने किसानों, युवाओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि यदि झूठ बोलने और भ्रष्टाचार करने में कोई पीएचडी होती तो कांग्रेस सबसे आगे होती। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आदिवासियों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के हित में लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री जनमन योजना समेत कई योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। साय ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में प्रदेश भ्रष्टाचार का केंद्र बन गया था और जनता ने उसी कारण कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चर्चा के दौरान सरकार पर कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी उपलब्धियां बताने में सफल नहीं रही है। बघेल ने आरोप लगाया कि किसानों से धान खरीदी, राशन वितरण और कर्मचारियों के हितों से जुड़े कई मुद्दों पर सरकार की स्थिति संतोषजनक नहीं है। उन्होंने दावा किया कि कई योजनाओं के क्रियान्वयन में समस्याएं सामने आ रही हैं। चर्चा के दौरान सदन में कुछ समय के लिए हंगामा भी हुआ। उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा के भाषण के दौरान राहुल गांधी और नक्सली कमांडर हिड़मा का नाम आने पर विपक्ष ने आपत्ति जताई। इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई, जिसके चलते सदन की कार्यवाही कुछ मिनटों के लिए स्थगित करनी पड़ी।

प्रदेश की लोक विरासत को मिली नई पहचान,संस्कृति का बढ़ा गौरव-अग्रवाल

रामनामी परंपरा की गाथा को राष्ट्रीय सम्मान

रायपुर। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में डॉक्यूमेंट्री फिल्म "राम-नामी" को "सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फिल्म" का सम्मान प्राप्त होने पर छत्तीसगढ़ में हर्ष का वातावरण है। इस उपलब्धि को प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और आध्यात्मिक धरोहर के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने डॉक्यूमेंट्री के निर्देशक श्री भरतबाला गणपति एवं पूरी टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है।मंत्री अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में डॉक्यूमेंट्री फिल्म राम-नामी को सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री का सम्मान प्राप्त होना छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल एक फिल्म की उपलब्धि नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं, सांस्कृतिक मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है। उन्होंने कहा कि रामनामी समाज अपनी विशिष्ट परंपराओं, भगवान श्रीराम के प्रति अटूट आस्था, सादगीपूर्ण जीवन शैली तथा लोक संस्कृति के संरक्षण के लिए पूरे देश में विशिष्ट पहचान रखता है। शरीर पर श्रीराम नाम अंकित कराने की अद्वितीय परंपरा, भक्ति, समरसता और आध्यात्मिक जीवन मूल्यों का संदेश देने वाला यह समाज छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर का

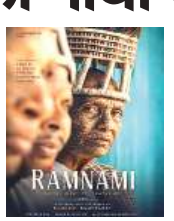

अमूल्य हिस्सा है। डॉक्यूमेंट्री राम-नामी ने इन परंपराओं और जीवन मूल्यों को अत्यंत संवेदनशील एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर देश-दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं और सांस्कृतिक अस्मिता को राष्ट्रीय पटल पर नई प्रतिष्ठा प्रदान करेगा। साथ ही यह उपलब्धि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण, संवर्धन और व्यापक प्रचार-प्रसार को नई गति देगी तथा आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री का सम्मान पर मुख्यमंत्री ने जताया हर्ष

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में छत्तीसगढ़ के अद्वितीय रामनामी समुदाय की समृद्ध विरासत पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'राम-नामी' को 'सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री' का राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने फिल्म के निर्देशक भरतबाला गणपति तथा पूरी टीम को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण पहचान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनामी समाज की अनूठी परंपरा श्रद्धा, समर्पण और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। इस विरासत को प्रभावी ढंग से देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का कार्य इस डॉक्यूमेंट्री ने किया है।

छत्तीसगढ़ के एटीएम से 3200 बार में निकाले गए 3.20 करोड़

विदेशी फंडिंग जांच में बड़ा खुलासा, एसआईए की जांच तेज

रायपुर। विदेशी फंडिंग से जुड़े संदिग्ध लेनदेन की जांच धमतरी तक पहुंच चुकी है। करीब 90 करोड़ रुपये के संदिग्ध ट्रांजेक्शन की जांच कर रही एजेंसियों के सामने अब एक नया मामला आया है। धमतरी जिले के टिकरापारा स्थित एप्पू स्माल फाइनेंस बैंक के एटीएम से विदेशी डेबिट कार्ड के जरिये करीब 3.20 करोड़ रुपये निकालने की जानकारी सामने आई है। जांच एजेंसी एसआईए ने एटीएम को अपने रडार पर लेते हुए जांच तेज कर दी है।

टिकरापारा स्थित यह एटीएम सुन्दरगंज चर्च से महज 15 से 20 मीटर की दूरी पर है। जांच के दौरान एजेंसी ने संबंधित बैंक से ट्रांजेक्शन का रिकॉर्ड और एटीएम के सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में ले लिए हैं।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि विदेशी डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करते हुए करीब 3200 बार 10-10 हजार रुपये की निकासी की गई, जिससे कुल राशि लगभग 3.20 करोड़ तक पहुंचती है। इस संदिग्ध लेनदेन के आधार पर जांच एजेंसियां पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी हैं।

संक्षिप्त समाचार

अविनाश शर्मा सक्ति जिले के जिला प्रभारी नियुक्त, कार्यकताओं में हर्ष

भाटापारा। भारतीय जनता पार्टी को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने के उद्देश्य से भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश नेतृत्व ने संगठनात्मक नियुक्तियों की नई सूची जारी की है। प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकारिया और प्रदेश नेतृत्व की सहमति से प्रदेश भर में जिला प्रभारियों एवं सह-प्रभारियों की घोषणा की गई है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति में भाटापारा के युवा नेता एवं भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अविनाश शर्मा को सक्ति जिले का जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। अविनाश शर्मा पिछले कई वर्षों से भाजपा युवा मोर्चा के विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। नियुक्ति के बाद अविनाश शर्मा ने कहा कि मैं प्रदेश नेतृत्व और संगठन का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। अविनाश शर्मा की नियुक्ति की खबर मिलते ही भाटापारा और सक्ति जिले के भाजपा कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है।

राजस्व अभिलेखों में अनियमितता पर पटवारी निलंबित, कलेक्टर के निर्देश पर हुई कार्रवाई

ब्यूरो चीफ : अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया । कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में राजस्व अभिलेखों में अनियमितताओं के विरुद्ध प्रशासन की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बेमेतरा ने ग्राम निनवा, पटवारी हल्का क्रमांक-40 की पटवारी श्रीमती अम्बा उपाध्याय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार, श्रीमती अम्बा उपाध्याय द्वारा निजी स्वामित्व की भूमि के खसरा क्रमांक 184/1 एवं 184/2 के राजस्व अभिलेखों एवं नक्शे में सक्षम न्यायालय के आदेश के बिना नियमों के विपरीत फेरबदल किया गया। जांच में यह कृत्य छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की धारा 115 एवं 116 के प्रावधानों का उल्लंघन पाया गया, जिसे शासकीय दायित्वों के प्रति गंभीर लापरवाही, स्वेच्छाचारिता एवं कदाचार की श्रेणी में माना गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के तहत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बेमेतरा ने श्रीमती अम्बा उपाध्याय को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय बेमेतरा निर्धारित किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। वहीं, पटवारी हल्का क्रमांक-40 का अतिरिक्त प्रभार पटवारी श्री मेघनाथ वर्मा (हल्का क्रमांक-26) को सौंपा गया है। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा है कि शासकीय कार्यों में लापरवाही, अनियमितता एवं नियमों के उल्लंघन के मामलों में दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। प्रशासन सुशासन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भाटापारा मंडी में आवक गिरने के कारण भाव में तेजी का माहौल

ब्यूरो चीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर व क्षेत्र के साथ साथ आस पास के 50 किलोमीटर क्षेत्र में जारी लगातार दो दिनों की बारिश के कारण प्रदेश की सबसे बड़ी कृषि उपज मंडी मे धान व उन्हारी जिन्सों की आवक कमजोर हो गई है। मांग के अनुरूप अब धान की आवक कम होने से लगभग 400 से अधिक मिल संचालक धान खरीदने दूर दराज के क्षेत्रों में जाने मजबूर हो रहे है। अनेक लोग तो बिचौलियें एजेंट व केनवॉसिंग एजेंट के जरिये रायगढ , चांपा , जांजगीर , शिवरीनारायण , बोड़ला , कवर्धा सहित दूर दूर तक धान खरीदने को मजबूर हो गये है। इधर मंडी प्रांगण में कमजोर आवक के बावजुद धान व उन्हारी के भाव अब आसमान छूने लगे है जिसमें महामाया धान 2491 रूपयें प्रति क्विंटल के अच्छे भाव में बेचा गया। वहीं श्रीराम धान 3333 रूपये प्रति क्विंटल के भाव पर बेचा गया। महामाया नया धान भी 2491 रूपये प्रति क्विंटल के संतोष जनक भाव में बेचा गया। मोटा रगजा धान 2175 रूपये प्रति क्विंटल के भाव से बेचा गया। प्रांगण में उन्हारी जिंसों की भी आवक हुई जिसमें गेंहू 2528 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बेचा गया। गेंहू 2530 रूपयें प्रति क्विंटल पर बेचा गया। कोदो 2700 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बेचा गया । मसुर 5300 रूपये प्रति क्विंटल के भाव से बिका। इसी प्रकार तिवरा को भी अच्छा भाव प्राप्त हुआ और वह 3288 रूपये प्रति क्विंटल के अच्छे भाव में बिक गया। बटरी 3176 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बेचा गया । इस तरह भाटापारा मंडी में आवक कमजोर होने के बावजुद धान व उन्हारी के भाव में तेजी का माहौल बना हुआ है। मंडी प्रांगण में पहुंचने वाले किसान अपने उपज को तारपोलिन में ढककर हिफाजत से ला रहे है । जहां उन्हें अपनी उपज का भरपूर दाम प्राप्त हो रहा है। जिससे वे प्रसन्न चित्त है ।

बालकोनगर में आयोजित जगन्नाथ रथ यात्रा उत्सव में उमड़े श्रद्धालु

बालकोनगर । भगवान जगन्नाथ की पावन रथयात्रा का आयोजन बालकोनगर उत्कल भारती समिति द्वारा किया गया। इस अवसर पर बालको के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (धातु) श्री निकेत श्रीवास्तव सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, उनके परिवारजन एवं बड़ी संख्या में नगरवासी धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हुए। विधि-विधान से पूजा-अर्चना के पश्चात भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा एवं भगवान बलभद्र को सुसज्जित रथ पर विराजमान कर रथयात्रा का शुभारंभ किया गया।

श्री निकेत श्रीवास्तव ने पूजा-अर्चना कर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा श्रद्धालुओं के साथ स्वयं रथ खींचकर इस पावन परंपरा में सहभागिता निभाई। रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने जय जगन्नाथ के जयघोष के साथ पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। रथयात्रा के आगे चल रहे कर्मा नृत्य दल ने अपनी आकर्षक प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर धुन, भक्ति संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे आयोजन को उत्सवमय बना दिया।

रथयात्रा राम मंदिर से प्रारंभ होकर बालकोनगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए रामलीला मैदान स्थित श्री गुंडिचा मंदिर पहुंची। यहां भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा एवं भगवान बलभद्र की विधिवत स्थापना की गई तथा विशेष पूजा-अर्चना संपन्न हुई। आयोजन समिति के अनुसार 16 जुलाई से 24 जुलाई तक श्री गुंडिचा मंदिर में प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन, महाप्रसाद वितरण एवं अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बालकोनगर में पिछले 45 वर्षों से भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। यह उत्सव केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक विरासत और सामुदायिक सहभागिता का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है।

भाटापारा में बिल्डिंग मटेरियल के भाव आसमान छू रहे है

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। बारिश के मौसम में इन दिनों बिल्डिंग मटेरियल के भाव आसमान छूने लगे है जिसके कारण मकान बनाने वालों के बरसात में भी पसीने महंगाई के चलते छुटने लगे है । इस बीच बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर जो बारिश की आशंका को भांपकर पहले से रेती , ईट , गिट्टी व बजरी सा सुरक्षित स्थान पर डंप करके बैठे है उन्हें उनके आशा के अनुरूप बहुत अच्छा भाव मिल रहा है । बाजार में केवल गोदाम में सुरक्षित रखे सीमेंट व छड़ के भाव स्थिर है। लेकिन शेष सामग्री जिसमें मुरम रेती , गिट्टी पत्थर बोल्डर , बजरी, रेती एवं ईट काफी महंगे भाव में खरीदना पड़ रहा है । शहर व आस पास के अनेक खाली स्थानों पर बारिश आने के पूर्व लोगों ने मनमाने रूप से रेती का डंप कर रखा है। जिससे रेत बाजार में आसानी से मिल तो रहा है लेकिन उसके भाव आसमान छूने लगे है इसी तरह ईंट के भाव में भी जबरदस्त रूप से उछाल आ गया है। पानी के कारण खदानों में वर्षा जल प्रवेश कर जाने के कारण गिट्टी बजरी व बोल्डर के भाव भी तेजी का रूख लिये हुये है। और तो और नींव पटिंग के काम में आने वाले मुरम जो कि बाहर डंप होने के बावजूद गीले हो गये है उसके भी भाव महंगे रूप से ट्रैक्टर में बेचे जा रहे है। कुल मिलाकर बरसात में जो लोग मकान व अन्य निर्माण कार्य करा रहे है उन्हें महंगाई के चलते पसीने छुट रहे है। आने वाले दो महीने में सभी बिल्डिंग मटेरियल के भाव में और भी वृद्धि होने की संभावना है इस बीच शहर के भीतर से 24 घंटे दिन रात सैकड़ो की संख्या में दौड़ रही रेत गाड़ी बरसात के कारण अब कम रूप से आवा जाही कर रही है। और वे भी अज्ञात स्थानों पर डंपरेती को अभी भी बड़ी संख्या में ढुलाई कर रहे है। कुल मिलाकर बिल्डिंग मटेरियल का बाजार उफान पर है।

नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल से पत्रकार अनिल सिंघानिया ने की सौजन्य मुलाकात

ब्यूरो चीफ : अनिल सिंघानिया

थान खमरिया। बेमेतरा जिले के नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल (आईपीएस) से अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, जिला बेमेतरा के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार अनिल सिंघानिया ने सौजन्य मुलाकात की। पदभार ग्रहण करने के बाद हुई इस मुलाकात में कानून-व्यवस्था, जनसुरक्षा तथा पुलिस एवं मीडिया के बीच बेहतर समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने कहा कि मीडिया समाज और प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाता है। आम नागरिकों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने में पत्रकारों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि जिले में बेहतर, संवेदनशील एवं मित्रवत पुलिसिंग के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। पत्रकार और पुलिस एक-दूसरे के पूरक हैं तथा दोनों के समन्वय से आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं।

इस अवसर पर अनिल सिंघानिया ने विश्वास व्यक्त किया कि पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के नेतृत्व में जिले की कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी, जनसुनवाई व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

मुलाकात के अंत में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं स्वयं सहायता समूहों के सामूहिक तत्वावधान में 30 जुलाई को आयोजित होने वाले वृक्षारोपण कार्यक्रम का निमंत्रण भी पुलिस अधीक्षक को दिया गया। पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपनी सहमति प्रदान की।

जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने आमजन की सुनीं समस्याएं

बेमेतरा। जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत आज कलेक्टरेट में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया।

आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 75 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चलित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

जनदर्शन में 75 आवेदन प्राप्त हुए

नगर पालिका द्वारा सफाई व्यवस्था को सुधारने का प्रयास

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। स्थानीय नगर पालिका प्रशासन के स्वच्छता विभाग द्वारा अब शहर की बिगड़ी हुई सफाई व्यवस्था को सुधारने के लिए तीव्र गति से कार्य प्रारंभ किया गया है । इसी तारतम्य में रामसागर वार्ड पारा में स्थित हायरसेकण्डरी स्कूल प्रांगण में भरे पानी को निकालने के लिए जेसीबी द्वारा वैकल्पिक निकासी व्यवस्था किया गया । वहीं स्कूल के नजदीक पड़े गंदगी के अथाह ढेर को भी हटाया गया है। अनेक स्थानों पर पोकलैन मशीन द्वारा कच्ची नाली का निर्माण कर नाली की व्यवस्था जल निकासी के लिए की गई है। इसी प्रकार गांधी मंदिरवार्ड , परशुराम वार्ड, केके. वार्ड महावीर वार्ड , नयागंज वार्ड व अस्पताल चौक के समीप सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए लगातार वहां पर सफाई अभियान चलाया गया है। स्वच्छता विभाग के सभापति सतीश तलरेजा ने विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर कर्मचारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहां है कि सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नही की जायेगी।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन ने प्रारंभ किया वृक्षारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन बेमेतरा जिला इकाई द्वारा नगर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। प्रदेश अध्यक्ष श्री रामावतार अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री श्री महेश अग्रवाल एवं जिला अध्यक्ष श्री अनिल सिंघानिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान के अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर परिसर तथा विश्राम गृह (रेस्ट हाउस) परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया।

कायक्रम म में उपस्थित समाजजनों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का भी संकल्प दोहराया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। जिला अध्यक्ष अनिल सिंघानिया ने कहा कि "यह केवल पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव है। पेड़ हमें शुद्ध ऑक्सीजन, छाया, फल एवं स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं। प्रकृति का संरक्षण करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। यदि आज हम अधिक से अधिक वृक्ष लगाएंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सकेगा।" उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम लगातार संचालित कर रहा है तथा शीघ्र ही समाज की ओर से एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया जाएगा।

पुरुषोत्तम अग्रवाल ने कहा कि वृक्ष बड़े होकर मानव जीवन के साथ-साथ पशु-पक्षियों के लिए भी आश्रय का कार्य करते हैं। वे पर्यावरण को शुद्ध रखने, वर्षा के संतुलन को बनाए रखने तथा जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से पौधे लगाकर उनकी नियमित देखभाल करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में संजय सिंघानिया, शिवेंद्र बिंदल, सुरेश सिंघानिया, विकास बंसल, प्रमोद सिंघानिया, आशीष बंसल, रौनक मुरारका, यशेष अग्रवाल, कान्हा बिंदल, राकेश जोशी, अंकित बिंदल, नरसिंह केडिया, विश्वनाथ साहू, जगराखन मण्डावी, सब इंजीनियर लालचंद जायसवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक एवं सदस्य उपस्थित रहे।

संसद का मानसून सत्र : हंगामे नहीं, समाधान का संकल्प बने

इस बार विपक्ष के पास अनेक ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर वह सरकार को घेरने की तैयारी में है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद, मन्दिरों में चोरी, कर व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया जैसे विषय निश्चित रूप से राष्ट्रीय महत्व के हैं। भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा बल उसकी संसद है। यही वह मंच है जहां देश की आकांक्षाएं, समस्याएं और भविष्य की दिशा तय होती है। संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श, जवाबदेही और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का सर्वोच्च मंच है। ऐसे में 20 जुलाई से प्रारंभ हो रहा संसद का मानसून सत्र केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की परिपक्वता की नई परीक्षा भी है। देश की जनता की अपेक्षा है कि यह सत्र शोर-शराबे, आरोप-प्रत्यारोप और गतिरोध का नहीं, बल्कि सार्थक संवाद, गंभीर बहस और ठोस निर्णयों का सत्र बने। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद के दृश्य लोकतांत्रिक गरिमा की अपेक्षा राजनीतिक टकराव के प्रतीक अधिक दिखाई दिए हैं। सदन में नीति और नीयत पर चर्चा कम तथा नारे, तख्तियां, वेल में प्रदर्शन और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक दिखाई देती रही है। संसद का प्रत्येक मिनट जनता के कर से चलता है, इसलिए उसका अनुत्पादक होना केवल संसदीय विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संसाधनों का भी दुरुपयोग है। संसद का उद्देश्य सरकार को घेरना अवश्य है, लेकिन केवल हंगामा खड़ा करना नहीं; उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल बहुमत के बल पर निर्णय लेना नहीं, बल्कि विपक्ष की बात सुनना और संवाद के लिए वातावरण बनाना भी है। इस बार विपक्ष के पास अनेक ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर वह सरकार को घेरने की तैयारी में है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद, मन्दिरों में चोरी, कर व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया जैसे विषय निश्चित रूप से राष्ट्रीय महत्व के हैं। इन पर संसद में गंभीर चर्चा होना लोकतंत्र की आवश्यकता भी है और जनता का अधिकार भी। लेकिन यदि ये विषय केवल राजनीतिक नारेबाजी का माध्यम बनकर रह जाएं, तो उनका उद्देश्य समाप्त हो जाएगा। संसद में उठाया गया प्रत्येक मुद्दा समाधान की दिशा में बढ़े, यही लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रमाण होगा। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य स्तंभ है। उसका दायित्व केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को बेहतर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना भी है। स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार की आंख और कान दोनों होता है। यदि वह केवल विरोध की राजनीति तक सीमित हो जाए, तो उसकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। दूसरी ओर सरकार भी यदि विपक्ष के प्रत्येक प्रश्न को राजनीतिक षड्यंत्र मानकर संवाद से बचती है, तो लोकतंत्र का संतुलन कमजोर पड़ता है। इसलिए सत्ता और विपक्ष, दोनों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा। मानसून सत्र में यदि शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा होती है तो उसका केंद्र छात्रों का भविष्य होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक लाभ। यदि महंगाई पर बहस हो तो उसका उद्देश्य आम नागरिक को राहत देने वाली नीतियों पर विचार होना चाहिए। यदि राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति अथवा सीमा संबंधी विषय उठते हैं तो उनमें दलगत राजनीति के बजाय राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए। संसद की बहस तब सार्थक कही जाएगी, जब उससे नीति निर्माण की दिशा निकले और जनता को यह विश्वास हो कि उसकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार हो रहा है। लोकतंत्र में बहस और असहमति कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। किंतु जब असहमति का स्थान अवरोध ले लेता है और बहस की जगह बहिष्कार आ जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा आहत होती है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि संसद को चलाना ही लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी है। यह विचार आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। संसद का ठप होना किसी एक दल की नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की हार है। इस समय देश अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। युवाओं को रोजगार चाहिए, किसानों को बेहतर आय की अपेक्षा है, मध्यम वर्ग महंगाई से परेशान है, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की जरूरत है तथा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी विकास गति बनाए रखनी है। ऐसे समय संसद से जनता समाधान चाहती है, संघर्ष नहीं। यदि पूरा सत्र केवल राजनीतिक टकराव में बीत गया तो सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिक का होगा, जिसकी आवाज संसद तक पहुंचनी चाहिए। संसद की गरिमा केवल अध्यक्ष की कुर्सी या ऐतिहासिक भवन से नहीं बनती, बल्कि वहां बैठने वाले जनप्रतिनिधियों के आचरण से बनती है। सांसदों को यह स्मरण रखना चाहिए कि वे केवल अपने दल के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि देश की जनता के प्रतिनिधि हैं। संसद में उनका प्रत्येक शब्द और प्रत्येक व्यवहार लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बनता है। इसलिए व्यक्तिगत आरोपों और कटुता के स्थान पर तथ्यों, तर्कों और नीति आधारित विमर्श को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। भारतीयवायु सेना भर्ती भारतीय जनता पार्टी का यह दावा रहा है कि वह विकास, सुशासन और नीति आधारित राजनीति में विश्वास रखती है। यदि ऐसा है तो उसे विपक्ष द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण प्रश्नों का तथ्यात्मक उत्तर देने में संकोच नहीं होना चाहिए। वहीं विपक्ष को भी यह समझना होगा कि केवल नारे लगाने अथवा कार्यवाही बाधित करने से जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता। उसे वैकल्पिक नीतियां, ठोस सुझाव और रचनात्मक आलोचना प्रस्तुत करनी होगी। लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष दोनों की सफलता संसद की सफलता से जुड़ी होती है।

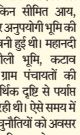

अतिथि संपादक - ललित गर्ग

चक्कर नैन नीलांचल वारे : बस्तर से सरगुजा तक रथदूज

छत्तीसगढ़ में रथयात्रा को लोकभाषा में रथदूज भी कहा जाता है। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के दिन प्रदेश के अनेक नगरों, कस्बों और गाँवों में भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की यात्रा निकाली जाती है। कहीं विशाल लकड़ी के रथ नगर के मुख्य मार्गों से गुजरते हैं, कहीं छोटे मंदिरों से भगवान की शोभायात्रा निकलती है और कहीं स्थानीय परंपरा ने जगन्नाथ संस्कृति को इतना आत्मसात कर लिया है कि उसने अपना अलग स्वरूप प्राप्त कर लिया है। बस्तर का गोंचा पर्व इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। वहाँ महानदी के किनारे बसे शिवरीनारायण, राजिम और उनसे जुड़े क्षेत्रों की जगन्नाथ परंपरा छत्तीसगढ़ और उत्कल के प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों की कहानी कहती है। देवभोग में भगवान को चावल और मूंग अर्पित करने की अनूठी परंपरा है तो सरगुजा में कंसारी समाज की आस्था ने रथयात्रा को स्थापित किया। रायगढ़, कवर्धा और पांडादाह में रियासतकालीन स्मृतियाँ इस यात्रा के साथ जुड़ी हुई हैं। इस दृष्टि से छत्तीसगढ़ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं है। यह प्रदेश के सांस्कृतिक भूगोल की एक जीवित यात्रा है।

छत्तीसगढ़ में भगवान जगन्नाथ के प्रभाव को एक प्रचलित तीर्थ मान्यता से समझा जा सकता है। लोकमान्यता रही है कि जगन्नाथ पुरी की तीर्थयात्रा के बाद राजिम की यात्रा भी की जानी चाहिए। महानदी, पैरी और सोंढ़ूर नदियों के संगम पर स्थित राजिम को छत्तीसगढ़ का प्रयाग कहा जाता है। प्राचीन परंपरा में इसे पद्म क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है और यहाँ भगवान राजीव लोचन का प्रसिद्ध मंदिर है।

यह मान्यता केवल धार्मिक विश्वास नहीं, बल्कि दो सांस्कृतिक क्षेत्रों के बीच

पुराने संपर्क की ओर भी संकेत करती है। छत्तीसगढ़ की सीमा ओड़िशा से लगी हुई है। दोनों क्षेत्रों के बीच लोगों का आवागमन, व्यापार, तीर्थयात्रा और सांस्कृतिक आदान प्रदान सदियों से होता रहा है। इसका प्रभाव भाषा, खानपान, लोकाचार और पर्वों में स्पष्ट दिखाई देता है।

रथदूज इसी सांस्कृतिक निकटता का महत्वपूर्ण पर्व है। छत्तीसगढ़ के लोकजीवन में इस तिथि को अत्यंत शुभ माना जाता रहा है। बेटी की विदाई, बहू को घर लाना, गृह प्रवेश, दुकान का शुभारंभ और अन्य मांगलिक कार्य इस दिन किए जाते रहे हैं। भगवान जगन्नाथ के प्रति लोकमानस की अगाध श्रद्धा ने इस तिथि को सामाजिक जीवन में भी विशेष स्थान दिया।

महानदी केवल जलधारा नहीं रही। प्राचीन समय में नदी घाटियाँ आवागमन और सांस्कृतिक संपर्क के मार्ग भी थीं। महानदी का प्रवाह छत्तीसगढ़ से ओड़िशा की ओर है और इसके साथ दोनों क्षेत्रों के बीच अनेक सांस्कृतिक संबंध विकसित हुए। भगवान जगन्नाथ की उपासना इस व्यापक सांस्कृतिक संबंध का महत्वपूर्ण अध्याय है।

गरियाबंद जिले का देवभोग भगवान जगन्नाथ की एक विशिष्ट परंपरा के लिए जाना जाता है। यहाँ स्थित जगन्नाथ मंदिर का इतिहास डेढ़ सौ वर्ष से अधिक पुराना बताया जाता है। स्थानीय परंपरा के अनुसार आसपास के चौरासी गाँवों के जनसहयोग से मंदिर निर्माण का कार्य हुआ और इसे पूरा होने में कई दशक लगे।

देवभोग की विशेषता भगवान को लगान अर्पित करने की परंपरा है। श्रद्धालु सुगंधित चावल और मूंग अर्पित करते हैं। स्थानीय मान्यता में यहाँ से भगवान के भोग के लिए अन्न पूरी भेजे जाने की परंपरा का उल्लेख मिलता है और इसी से देवभोग नाम को जोड़कर भी देखा जाता है।

इस परंपरा में कृषि और भक्ति का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। किसान अपनी भूमि से उत्पन्न श्रेष्ठ अन्न को भगवान को समर्पित करता है। यह केवल पूजा नहीं, बल्कि अन्न, भूमि और ईश्वर के बीच भारतीय समाज द्वारा स्थापित संबंध की अभिव्यक्ति है।

लोक में शिवरीनारायण को छत्तीसगढ़ की जगन्नाथ पुरी भी कहा जाता है। शिवरीनारायण की लोक परंपराओं में नीलमाधव और भगवान जगन्नाथ से संबंधित अनेक कथाएँ प्रचलित हैं। स्थानीय विश्वास में भगवान जगन्नाथ के पुरी जाने और शिवरीनारायण के बीच गहरा संबंध माना जाता है। इसी आस्था से माघ पूर्णिमा का विशाल मेला भी जुड़ा हुआ है। लोकमान्यता है कि जो श्रद्धालु पुरी जाकर दर्शन नहीं कर सकते, वे शिवरीनारायण में भगवान का दर्शन कर पुण्य प्राप्त कर सकते हैं। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को यहाँ रथयात्रा का पर्व उत्साह से मनाया जाता है। आसपास के गाँवों से बड़ी संख्या में लोग भगवान के दर्शन और गजामूंग का प्रसाद ग्रहण करने पहुँचते हैं। धार्मिक आयोजन के साथ यह ग्रामीण समाज का बड़ा सांस्कृतिक मिलन भी बन जाता है।

छत्तीसगढ़ में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि प्रदेश की विविध लोक परंपराओं और सांस्कृतिक एकात्मता का जीवंत प्रतीक है। बस्तर के गोंचा पर्व से लेकर रायपुर, रायगढ़, कवर्धा, कांकेर, धमतरी, बिलासपुर, राजिम, अंबिकापुर, कोरबा, दुर्ग, चांपा, आरंग, महासमुंद और अनेक छोटे नगरों व गाँवों तक रथयात्रा ने स्थानीय समाज के अनुसार विशिष्ट स्वरूप ग्रहण किया है। कहीं यह राजपरिवारों की संरक्षण परंपरा से जुड़ी है, तो कहीं सामान्य श्रद्धालुओं की पुरी यात्रा से प्रेरित होकर प्रारंभ हुई।

बस्तर की तुपकी, रायपुर का गजामूंग प्रसाद, पांडादाह में भगवान को कंधों पर विराजमान कर परिर मा, सरगुजा में छेरा पहरा और गुंडिचा यात्रा जैसे अनुष्ठान इस परंपरा को विशिष्ट बनाते हैं। इन विविध स्वरूपों के बावजूद सभी रथयात्राओं का मूल भाव एक ही है, भगवान जगन्नाथ के प्रति अटूट श्रद्धा, लोक सहभागिता और सामाजिक समरसता। दक्षिण के बस्तर से उत्तर के सरगुजा तक फैली यह परंपरा इस बात का प्रमाण है कि जगन्नाथ संस्कृति ने छत्तीसगढ़ की जनजातीय, ग्रामीण और नगरीय संस्कृति के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अपनी एक विशिष्ट और समृद्ध लोक पहचान निर्मित की है। छत्तीसगढ़ की रथयात्रा परंपराओं को देखते हुए एक रोचक प्रश्न सामने आता है।

यह परंपरा राजाओं और जमींदारों से लोक तक पहुँची या लोक की आस्था से प्रभावित होकर राजसत्ता ने इसे संरक्षण दिया? रायगढ़, कवर्धा, कांकेर और बस्तर की परंपराओं में राजसत्ता की भूमिका दिखाई देती है। दूसरी ओर दादर खुर्द, तुमगांव, अंबिकापुर और अनेक ग्रामीण क्षेत्रों की परंपराओं में सामान्य श्रद्धालुओं, तीर्थयात्रियों और स्थानीय समुदायों की भूमिका प्रमुख दिखाई देती है। संभवतः इसका उत्तर किसी एक दिशा में नहीं है। भारतीय समाज में राजधर्म और लोकधर्म निरंतर एक दूसरे को प्रभावित करते रहे हैं। राजा ने मंदिर बनवाया तो जनता ने परंपरा को जीवित रखा। किसी सामान्य तीर्थयात्री ने पुरी से प्रेरणा ली तो पूरा गाँव उसके साथ खड़ा हो गया। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ में रथयात्रा राजमहलों के सामने से भी निकली और गाँव की कच्ची गलियों से भी।

आचार्य ललित मुनि

लेखक वरिष्ठ

पत्रकार एवं लोक संस्कृति के अध्येता हैं

भारत से टकराने की जिद बड़ी भारी पड़ती है, 'हिंदुस्तान के हिस्से का बिल' भी भर रहा है पाकिस्तान!

भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है। नई दिल्ली का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियां 1960 जैसी नहीं रहीं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी, ऊर्जा की आवश्यकता, नई प्रौद्योगिकी और सबसे बढ़कर पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद ने पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। ऐसे में संधि की समीक्षा और नए सिरे से विचार स्वाभाविक आवश्यकता है। सीमापार आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बना चुके पाकिस्तान की आज ऐसी दुर्गति हो चुकी है कि वह भारत के खिलाफ साजिश रचने की कीमत भी अपनी जेब से चुका रहा है। दरअसल, सिंधु जल संधि को लेकर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घेरने की नाकाम कोशिश में इस्लामाबाद न केवल अपनी ओर से खर्च उठा रहा है, बल्कि भारत के हिस्से का व्यय भी खुद अदा कर रहा है। यानी जिस देश को वह कटघरे में खड़ा करना चाहता है, उसी का बिल भी उसे भरना पड़ रहा है। यह दुश्य पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली, कूटनीतिक बेबसी और बौखलाहट का सबसे बड़ा प्रमाण है। दुनिया के सामने भारत को घेरने निकला पाकिस्तान आज अपनी ही बनाई चाल में फंसकर उपहास का पात्र बन गया है। हम आपको बता दें कि सिंधु जल संधि वर्ष 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच

हुई थी। इस व्यवस्था के अंतर्गत छह नदियों के जल के बंटवारे का ढांचा तय किया गया था। दशकों तक भारत ने संधि का पूरी निष्ठा से पालन किया, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान लगातार आतंकवाद को संरक्षण देता रहा। पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत ने साफ संदेश दिया कि जब तक पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद का विश्वसनीय और स्थायी रूप से परित्याग नहीं करता, तब तक सामान्य स्थिति की उम्मीद नहीं की जा सकती। इसी र म में भारत ने संधि से जुड़ी कार्यवाहियों में अपनी भागीदारी स्थगित कर दी। भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है। नई दिल्ली का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियां 1960 जैसी नहीं रहीं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी, ऊर्जा की आवश्यकता, नई प्रौद्योगिकी और सबसे बढ़कर पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद ने पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। ऐसे में संधि की समीक्षा और नए सिरे से विचार स्वाभाविक आवश्यकता है। इसके विपरीत पाकिस्तान हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को घेरने की नाकाम कोशिश कर रहा है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस मध्यस्थता प्रि या से वह भारत पर दबाव बनाना चाहता है, उसी का पूरा आर्थिक बोझ भी उसे स्वयं उठाना पड़ रहा है। यह उस कूटनीतिक दिवालियेपन का प्रतीक है जिसमें पाकिस्तान दुनिया के सामने अपनी दलीलें जीवित रखने के लिए किसी भी कीमत पर तैयार दिखाई देता है।

सच्चाई यह भी है कि सिंधु जल संधि से दशकों तक सबसे बड़ा लाभ पाकिस्तान को मिला। भारत, ऊपरी प्रवाह वाला देश होने के बावजूद, संधि की कठोर शर्तों का पालन करता रहा। अनेक विशेषज्ञ लंबे समय से यह प्रश्न उठाते रहे हैं कि यह व्यवस्था भारत के हितों के अनुरूप नहीं रही। इसके बावजूद भारत ने जिम्मेदार राष्ट्र का परिचय दिया। लेकिन जब पड़ोसी देश आतंकवादियों को शरण दे, प्रशिक्षण दे और भारत के निर्दोष नागरिकों का रक्त बहाने वालों को संरक्षण प्रदान करे, तब केवल सद्भावना के आधार पर संबंध नहीं चल सकते। पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शोर मचाने से वास्तविकता नहीं बदलती। आतंकवाद और बातचीत, आतंकवाद और सहयोग, आतंकवाद और विश्वास, ये तीनों एक साथ नहीं चल सकते। यदि इस्लामाबाद यह सोचता है कि वह एक ओर आतंकियों को पालता रहेगा और दूसरी ओर जल समझौतों तथा वैश्विक संस्थाओं की आड़ लेकर भारत पर दबाव बनाएगा, तो यह उसकी सबसे बड़ी भूल है। भारत ने बार-बार संयम दिखाया है, लेकिन संयम को कमजोरी समझना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है। अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, जल हितों और संप्रभु अधिकारों से किसी प्रकार का समझौता करने वाला नहीं है। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्र में शांति चाहता है तो उसे सबसे पहले अपनी धरती से संचालित सीमापार आतंकवाद की फैक्ट्रियों पर स्थायी ताला लगाना होगा। बहरहाल, पाकिस्तान के नीति-निर्माताओं के लिए यह घटनाक्रम स्पष्ट संदेश है। जो देश आज भारत का हिस्सा भी अपनी जेब से भरने को विवश है, उसे पहले अपनी अर्थव्यवस्था, अपने शासन और अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देना चाहिए।

नीरज कुमार दुबे

गंभीर कमियां उजागर

संक्षेप देखकर ठहर जाएं, तो मालूम होगा कि श्रम बल में भागीदारी बढ़ी है और बेरोजगारी दर घटी है। लेकिन बारीकी में जाएं, तो सकारात्मक कथानक में मौजूद कई गंभीर कमियां उजागर होने लगती हैं। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में रोजगार की स्थिति पर राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (एनएसओ) की ताजा रिपोर्ट चमकती हेडलाइन के लिए मसाला तो देती है, लेकिन उसके अंदर उतरते ही कड़वी हकीकतों से सामना होने लगता है। सिर्फ सार-संक्षेप देखकर ठहर जाएं, तो मालूम होगा कि श्रम बल में महिलाओं सहित कामकाजी उम्र के सभी व्यक्तियों की भागीदारी बढ़ी है और बेरोजगारी दर घटी है। लेकिन बारीकी में जाएं, तो सकारात्मक कथानक में मौजूद कई गंभीर कमियां जाहिर होने लगती हैं। मसलन, यह उत्साह से बताया गया है कि बड़े शहरों में 55 फीसदी से अधिक श्रमिक अब नियमित वेतनभोगी हैं। मगर रिपोर्ट में यह तथ्य भी मौजूद है कि इनमें बहुत बड़ा हिस्सा वैसी नियमित नौकरियों का है, जिनमें पीएफ, पेंशन, सवैतनिक अवकाश, या स्वास्थ्य बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षाएं नहीं मिलतीं। गिग कर्मियों की बढ़ती संख्या को रोजगार वृद्धि बताया गया है, जबकि ऐसे कर्मियों को किसी तरह के श्रम अधिकार या जॉब सिक्योरिटी हासिल नहीं हैं। महिला श्रम बल भागीदारी बढ़ कर 27.2 फीसदी होने का दावा भी विवादास्पद है।

धमतरी मॉडल बना देश के लिए प्रेरणा

औषधीय पौधों की खेती से बदली महिलाओं की तकदीर, बढ़ेगा दायरा, अनुपयोगी भूमि पर उगी समृद्धि की नई फसल

धनंजय राठौर (संयुक्त संचालक)
शशिर पाराशर (उप संचालक)

छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा रायपुर सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में एक विशेष योजना चलाई जा रही है। इसके तहत, अनुपयोगी पड़ी घरों की बाड़ी में महिलाओं को सिंदूरी, सतावर और अश्वगंधा जैसे औषधीय पौधे निःशुल्क दिए जा रहे हैं, जिससे उन्हें घर पर ही नियमित आय मिल रही है। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले की महिलाओं द्वारा अनुपयोगी भूमि और यहाँ तक कि बेकार नाले के पानी का उपयोग कर औषधीय पौधे उगाने की कई प्रेरक पहलें देखने को मिली हैं। इन प्रयासों से न केवल बंजर जमीन हरी-भरी हो रही है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भरता और बेहतर स्वास्थ्य का लाभ भी मिल रहा है।

"जहां कभी अनुपयोगी भूमि थी, वहां आज औषधीय पौधों की हरियाली लहरा रही है। जहां महिलाएं केवल पारंपरिक खेती तक सीमित थीं, वहीं आज वे लाखों रुपये की आय अर्जित कर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं।" यह केवल एक जिले की सफलता की कहानी नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग और कृषि नवाचार का ऐसा मॉडल है, जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। छत्तीसगढ़ का धमतरी जिला आज औषधीय एवं सुगंधित फसलों के कृषिकरण का राष्ट्रीय मॉडल बनकर उभरा है। यहां कृषि, आजीविका, पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का ऐसा समन्वय देखने को मिलता है, जो विकसित भारत और आत्मनिर्भर गांवों की अवधारणा को साकार करता है।

परंपरागत खेती से नवाचार की ओर

धमतरी कृषि प्रधान जिला है। यहां की अधिकांश आबादी धान आधारित खेती पर निर्भर रही है। हालांकि धान उत्पादन जिले की पहचान है, लेकिन सीमित आय, प्राकृतिक जोखिम और अनुपयोगी भूमि की चुनौती लंबे समय से बनी हुई थी। महानदी के किनारे की रेतीली भूमि, कटाव प्रभावित क्षेत्र और ग्राम पंचायतों की अनुपयोगी जमीन आर्थिक दृष्टि से पर्याप्त उपयोग में नहीं आ पा रही थी। ऐसे समय में जिला प्रशासन ने इन चुनौतियों को अवसर में बदलने का निर्णय लिया। सोच स्पष्ट थी–यदि अनुपयोगी भूमि पर ऐसी फसलें उगाई जाएं जिनकी बाजार में स्थायी मांग हो, जिनमें लागत कम और लाभ अधिक हो, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है।

दूरदर्शी नेतृत्व और समन्वित प्रयास

वर्ष 2025 में कलेक्टर अविनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) तथा राज्य औषधीय पादप बोर्ड के सहयोग से औषधीय एवं सुगंधित फसलों के कृषिकरण की अभिनव पहल प्रारंभ की। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसे केवल कृषि कार्यर म नहीं माना गया, बल्कि महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका का व्यापक मिशन बनाया गया। योजना के प्रारंभिक चरण में जिले का विस्तृत सर्वेक्षण कराया गया। अनुपयोगी भूमि, रेतीले क्षेत्र और कम उत्पादक भूमि की पहचान कर वहां औषधीय खेती की संभावनाओं का वैज्ञानिक मूल्यांकन किया गया।

खस, ब्राह्मी, बच, लेमनग्रास की गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री उपलब्ध

महिला स्व-सहायता समूहों को इस अभियान का केंद्र बनाया गया। राज्य औषधीय पादप बोर्ड के सहयोग से खस, ब्राह्मी, बच, लेमनग्रास, पामारोजा और पचौली जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों की गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री उपलब्ध कराई गई। महिलाओं को विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और नियमित फील्ड सपोर्ट दिया गया। सबसे महत्वपूर्ण व्यवस्था रही–शत-प्रतिशत बाय-बैक, जिससे किसानों और महिलाओं को अपने उत्पाद के विपणन की चिंता नहीं रही।

150 एकड़ से शुरू हुआ परिवर्तन

प्रथम चरण में लगभग 150 एकड़ क्षेत्र में 200 महिला स्व-सहायता समूह सदस्यों को जोड़ा गया। लगभग 80 एकड़ में खस, 20 एकड़ में ब्राह्मी, 10 एकड़ में बच तथा 40 एकड़ में लेमनग्रास, पामारोजा और पचौली का रोपण किया गया। कुछ ही समय में परिणाम सामने आने लगे। जो भूमि पहले अनुपयोगी मानी जाती थी, वहीं से प्रति एकड़ लगभग एक लाख रुपये तक की आय प्राप्त होने लगी। महिलाओं ने इस आय का उपयोग बच्चों की शिक्षा, परिवार की जरूरतों, कृषि उपकरणों की खरीद और छोटे व्यवसाय शुरू करने में किया। इससे उनकी आर्थिक स्थिति के साथ-साथ सामाजिक आत्मविश्वास में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

बदलती जिंदगी, बदलती सोच

आदर्श महिला कृषक समूह कडेल की सत्या ढीमर बताती हैं कि पहले उनकी पूरी निर्भरता धान की खेती पर थी। औषधीय खेती के बारे में जानकारी नहीं थी, लेकिन प्रशिक्षण, पौध सामग्री और खरीद की सुनिश्चित व्यवस्था ने उनका भरोसा बढ़ाया। आज उनकी आय कई गुना बढ़ चुकी है। समूह की पुना साहू और कुंती ढीमर कहती हैं कि इस योजना ने केवल आय ही नहीं बढ़ाई, बल्कि महिलाओं को निर्णय लेने का आत्मविश्वास भी दिया है। अब वे बैंकिंग, समूह प्रबंधन और उद्यमिता में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं तथा अन्य महिलाओं को भी इस दिशा में प्रेरित कर रही हैं। किसान अशोक नेताम बताते हैं कि कम पानी वाली भूमि में लेमनग्रास और खस जैसी फसलें उम्मीद से कहीं अधिक सफल साबित हुईं हैं। अब जिले के अनेक किसान पारंपरिक खेती के साथ-साथ औषधीय खेती को भी अपनाने लगे हैं।

'लखपति दीदी' अभियान को मिली नई गति

छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकताओं में महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व दिया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला स्व-सहायता समूहों को स्वरोजगार, मूल्य संवर्धन और बाजार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। राज्य में 'लखपति दीदी' अभियान को गति देने के लिए कृषि, वनोपज, पशुपालन और ग्रामीण उद्यमिता को एकीकृत किया जा रहा है। धमतरी का औषधीय खेती मॉडल इसी सोच का प्रभावी उदाहरण है। इस पहल ने महिलाओं को केवल खेती तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें उद्यमी बनने का अवसर प्रदान किया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का स्पष्ट विजन है कि छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थानीय संसाधनों पर आधारित, टिकाऊ और आत्मनिर्भर बनाया जाए। औषधीय एवं सुगंधित फसलों का विस्तार इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्पेशल लोक अदालत में चेक बाउंस के 12 प्रकरणों का हुआ निराकरण

आपसी समझौते से 81.98 लाख रुपये के अवार्ड पारित, त्वरित एवं सुलभ न्याय मिला

बेमेतरा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन तथा माननीय श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के निर्देशन में शनिवार को जिला न्यायालय परिसर, बेमेतरा में परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 (चेक अनादरण/चेक बाउंस) से संबंधित प्रकरणों के निराकरण हेतु "स्पेशल लोक अदालत" का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वर्चुअल माध्यम से आयोजित राज्य स्तरीय उद्घाटन समारोह के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर रहे। इस अवसर पर जिला न्यायालय बेमेतरा से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती सरोज नंद दास सहित न्यायिक अधिकारीगण वर्चुअली समारोह से जुड़े। उद्घाटन के पश्चात जिला न्यायालय परिसर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती सरोज नंद दास ने दीप प्रज्ज्वलित कर स्पेशल लोक अदालत का शुभारंभ किया तथा उपस्थित न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालयीन कर्मचारियों को अधिक से अधिक प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण कराने के लिए प्रोत्साहित किया। स्पेशल लोक अदालत में परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के कुल 12 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया, जिनमें 81 लाख 98 हजार 960 रुपये की राशि के अवार्ड पारित किए गए। चेक अनादरण से संबंधित लंबित मामलों का आपसी समझौते, सौहार्दपूर्ण वातावरण तथा सरल, त्वरित एवं कम खर्चीली प्रि या के माध्यम से निराकरण किया गया। इस दौरान न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक प्रतिनिधियों, न्यायालयीन कर्मचारियों, पैरालीगल वॉलेंटियर्स तथा पक्षकारों की सरि य सहभागिता रही।

अपील प्रकरण में 11.50 लाख का विवाद 2.50 लाख रुपये में सुलझा

खण्डपीठ क्रमांक-01 के पीठासीन अधिकारी श्री देवेंद्र कुमार, प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, बेमेतरा के समक्ष लंबित चेक बाउंस से संबंधित अपील प्रकरण क्रमांक 95/2024 का भी स्पेशल लोक अदालत में निराकरण किया गया। विचारण न्यायालय द्वारा पूर्व में अभियुक्त को 11.50 लाख रुपये प्रतिकर अदा करने का आदेश दिया गया था तथा राशि का भुगतान नहीं करने पर तीन माह के साधारण कारावास का दंड भी निर्धारित किया गया था।

स्पेशल लोक अदालत में दोनों पक्षों को समझाइश देने के बाद आपसी सहमति से 11.50 लाख रुपये के प्रतिकर के स्थान पर 2.50 लाख रुपये में राजीनामा हुआ, जिसके आधार पर प्रकरण का सफलतापूर्वक निराकरण कर अवार्ड पारित किया गया। इसी प्रकार दो अन्य अपील प्रकरणों का भी आपसी समझौते के आधार पर निपटारा किया गया।

इलेक्ट्रॉनिक कांटा मशीन व कपड़ा दुकान के लिए ली गई राशि का विवाद भी सुलझा

खण्डपीठ क्रमांक-02 के समक्ष लंबित प्रकरण क्रमांक 3922/2022 में परिवादी एवं अभियुक्त के बीच परिचय होने के कारण अभियुक्त ने इलेक्ट्रॉनिक कांटा मशीन एवं कपड़ा दुकान हेतु सामान खरीदने के नाम पर परिवादी से नगद राशि उधार ली थी। निर्धारित अवधि में राशि वापस नहीं करने पर परिवादी द्वारा प्रस्तुत चेक बैंक से अनादरित हो गया, जिसके बाद मामला न्यायालय पहुंचा।

स्पेशल लोक अदालत में पीठासीन अधिकारी एवं सुलहकर्ताओं की समझाइश पर दोनों पक्षों ने बिना किसी दबाव या भय के स्वतंत्र सहमति से राजीनामा किया, जिसके आधार पर विवाद का सौहार्दपूर्ण ढंग से निराकरण कर प्रकरण समाप्त किया गया। स्पेशल लोक अदालत के माध्यम से एक बार फिर यह सिद्ध हुआ कि आपसी सहमति एवं संवाद के जरिए लंबित विवादों का त्वरित, सरल एवं प्रभावी समाधान संभव है, जिससे पक्षकारों को समय, धन और न्यायिक प्रक्रिया की जटिलताओं से राहत मिलती है।

संक्षिप्त समाचार

ए. एस.पी. सिदार का तबादला

भाटापारा। राज्य शासन द्वारा भाटापारा शहर में पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार का भाटापारा से कबीरधाम तबादला किया है। उनके स्थान पर अभी नई नियुक्ति नही की गई है।

अकलतरा में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन

भाटापारा। शासकीय प्राथमिक शाला अकलतरा में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया गया जिसमें साहनी नेताम को अध्यक्ष व ममता मिरी को उपाध्यक्ष बनाया गया है। उक्त अवसर पर प्रधान पाठक हुबीराम वर्मा में सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को उनके अधिकार एवं कर्तव्यों की जानकारी दी । प्रबंधन समिति का कार्यकाल 02 वर्ष का रहेगा। उक्त अवसर पर सतीश चंद्रअग्रवाल परसराम ध्रुव , सुधिया ध्रुव , मंदाकनी सेन , दुरपती ध्रुव , परमेश्वरी साहु, अश्वनी मिली, गेंदराम वर्मा , बिसऊहा राम ध्रुव , गनपतलाल सेन एवं इन्द्रजीत यदु, मौजुद थे।

मांग पूरी होने पर पेंशनर्स हुए खुश

भाटापारा। पेंशनरों के महंगाई राहत के लिए मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों की सहमति की बाध्यता को समाप्त किए जाने की घोषणा से छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ के पेंशनरों में हर्ष व्याप्त है। धारा 49 (6) के अंतर्गत दोनों राज्यों की सहमति को समाप्त किए जाने हेतु छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ के पेंशनर अध्यक्ष रघुनाथ प्रसाद पटेल, प्रकाश जाधव, दिलीप सिंह, बिसेन कमल नारायण यदु , जामवंत वर्मा ने राज्य उत्सव 2024 के प्रथम दिवस 4 नवंबर 2024 को रायपुर में डॉक्टर मोहन यादव मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश एवं विष्णु देव साय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नाम से धारा 49 की अनिवार्यता को समाप्त किए जाने बाबत तृतीयवर्ग कर्मचारी संघ के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी के साथ उनके हाथ में ज्ञापन सोपा गया था जिसे दोनों मुख्यमंत्रियों द्वारा शीघ्र ही उस पर निर्णय लिए जाने का आश्वासन मिला था। इसी तरह पिछले साल मानसून सत्र के दौरान विधानसभा की कार्यवाही देखने गए प्रतिनिधि मंडल द्वारा भी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को टंक राम वर्मा के माध्यम से ज्ञापन देकर धारा 49 की अनिवार्यता समाप्ति हेतु ध्यान आकर्षित कराया गया था। इस प्रकार विभिन्न पेंशनर संघों के सार्थक प्रयासों से अब जाकर पूरे 26 वर्षों बाद यह सफलता प्रदेश के पेंशनरों को मिली है। शासन के इस निर्णय पर प्रसन्नता एवं आभार व्यक्त करते हुए डीपी मनहर , रतनलाल कैवर्तय् ,रघुनाथ प्रसाद पटेल, प्रकाश जाधव, दिलीप सिंह बिसेन, जामवंत वर्मा, तारण सिंह ठाकुर, घनश्याम पटेल, कमल नारायण यदु,रमेश वर्मा,पेरटन लालसाहु, सुरेश बाजपेई, अशोक पंत, गिरधारीलाल वर्मा, सेवाराम वर्मा, कल्याण सिंह ठाकुर एवं राधा चरण शुक्ल ने केंद्र के समान बकाया दो प्रतिशत की राहत राशि को भी शीघ्र ही देय तिथि से घोषित करने की मांग की है।

सुरभी गौधाम में गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन हुआ

भाटापारा। रावणभाठा के समीप सुरभी गौधाम एवं गोपाल गौशाला ने वास्तु पूजन कार्यक्रम श्रद्धा , आस्था एवं भक्तिपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हुआ । उपरोक्त अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा व मदकूद्वीप के संत रामस्वरूप दास महात्यागी तथा पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के पूर्व विधिवत पूजा में पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा अपनी पत्नि नेहा शर्मा के साथ शामिल हुए। वहीं पर पार्षद गेंदू साहू अपनी पत्नि संतोषी साव तथा पार्षद संध्या साहू पति राजेश साहू , पार्षद दीपा साहू सहित लक्ष्मीकांत टंडन , निशा टंडन , कुंजराम कोशले, मोहनी कोशले , वाय.आर. सोनी , मधु सोनी भी परिवार सहित पूजा में शामिल हुए। इनके अलावा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक ,अनेक पार्षद ,राजनेता ,सामाजिक बंधु उपस्थित थे। उक्त अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का अभिन्न अंग है । गौ संरक्षण धार्मिक आस्था , सेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्य निश्चित रूप से समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करेंगे । उक्त मौके पर संत राम स्वरूप महात्यागी ने कहा गौ सेवा और पौधारोपण जैसे धर्म आधारित जनकल्याण के कार्य मानव जीवन को पुन्य एवं लोक मंगल से जोड़ते हैं। उपरोक्त अवसर पर अश्वनी शर्मा ने आगे भी जनसहभागीता से जनहितकारी काम किये जाने की बात कहीं उपरोक्त अवसर पर काके थदवानी , राकेश मंधान, नरेश आर्य , रौनक मुंधड़ा , अभिषेक मिश्रा , संतोष पांडेय , संकेत उपाध्याय , रविन्द्र शर्मा , अविनाश शर्मा , सतीश साहू, शुभम राजपुत , किर्तन जायसवाल , सुरेश मंधानी, श्रेणिक गोल्छा, मोंटु ध्रुव , संतोष वर्मा , राजा कामनानी, रूपेश तिवारी, सतीश तलरेजा , गोविंद पटेल , मनीष मिश्रा , दिलीप छाबड़िया , आशीष जायसवाल, देवेन्द्र साहू, भुंवन सिंग ठाकुर, लिकेश साहू, अजय ठाकुर , ठाकुर राम साहू, चन्द्रशेखर चर धारी, योगेश अनंत , शुभम राजपुत, प्रकाश ठाकुर, संजय बंजारे, चन्द्रकांत खुंटे , पीयुष साहू, सुरेन्द्र डागौर सहित बड़ी तादाद में अन्य लोग भी मौजुद थे।

लिटिल स्कॉलर स्कूल के विद्यार्थियों ने किया पौधारोपण

भाटापारा। रामनारायण शिक्षण संस्थान की शाखा लिटिल स्कॉलर स्कूल, द्वारा कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने फाइकस, जोरा, मोगरा तथा अन्य छायादार, शोभाकार एवं पुष्पीय पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया और सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों ने संकल्प लिया कि वे अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनका संरक्षण करेंगे तथा पर्यावरण को हराभरा, स्वच्छ और संतुलित बनाए रखने में सक्रिय योगदान देंगे। उक्त कार्यक्रम में लिटिल स्कॉलर स्कूल की शिक्षिकाएं ममता दुबे ,ज्योति यादव तथा मनीष शुक्ला, कौस्तुभ शुक्ला एवं डॉ. वंदना चौहान ,अंजली शुक्ला सहित महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को जन्मदिन पर जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने दी शुभकामनाएं

ब्यूरो चीफ : अनिल सिंघानिया

थान खमरिया। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा के जन्मदिन (19 जुलाई) के अवसर पर थान खमरिया सहित क्षेत्रभर के जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने सोशल मीडिया तथा व्यक्तिगत रूप से मिलकर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि विजय शर्मा को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, यशस्वी एवं सफल जीवन प्रदान करें तथा जनसेवा के दायित्वों के निर्वहन के लिए उन्हें निरंतर नई ऊर्जा, शक्ति और सफलता मिलती रहे। शुभकामना संदेशों में कहा गया कि उनके कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित कर रहा है। संघर्षशील व्यक्तित्व एवं जनसेवा के प्रति उनकी समर्पित कार्यशैली सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने वालों में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, साजा विधायक ईश्वर साहू, पूर्व विधायक एवं संसदीय सचिव लाभचंद बाफना, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी, जिला महामंत्री राजेश ठाकुर, नगर पंचायत अध्यक्ष अनीता चंदन अग्रवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष हिमांशु वर्मा (साजा), साजा मंडल अध्यक्ष बुलाक साहू, ज्वाला सिंह राजपूत, वरिष्ठ भाजपा नेता मूलचंद शर्मा, पत्रकार अनिल सिंघानिया, पुरुषोत्तम अग्रवाल, सुरेश सिंघानिया, चंद्रशेखर राजपूत, घनश्याम राजपूत, मंडल अध्यक्ष पुन्नी तोरण यादव, पार्षद सूरजपाल, रोहित राजपूत एल्डरमैन, ऋषि तिवारी तथा पूर्व पार्षद विजय शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिकों ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

भाटापारा स्टेशन में लोग खतरनाक ढंग से रेल पटरी पार कर रहे है

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महत्वपूर्ण आय देने वाले भाटापारा रेलवे स्टेशन में इन दिनों अनेक रेल यात्री रेलवे नियमों को ताक में रखकर गलत ढंग से रेल पटरी पार कर रहे है । जिससे कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है। तीसरी रेलवे लाईन को प्रारंभ हुये अर्सा बीत रहा है उसके बावजूद लोग भाटापारा स्टेशन में विभिन्न यात्री ट्रेनों के आगमन व प्रस्थान के दौरान हड़बड़ी में खतरनाक ढंग से रेल लाईन को पारकर विभिन्न ट्रेनों में चढ़ व उतर रहे है जबकि रेलवे स्टेशन में फुट ब्रिज के अलावा लिफ्ट सुविधा उपलब्ध है उसके बावजूद लोग जल्दी के चक्कर में इस प्लेटफॉर्म से उस प्लेटफॉर्म तक आने जाने के लिए जोखिमपूर्ण ढंग से रेल पटरी पार कर रहे है जबकि रेलवे एक्ट की धारा 1989 के तहत यदि कोई व्यक्ति रेलवे पटरी पार करता है तो उसे जुर्माना के अलावा 6 महीने तक की जेल की सजा हो सकती है। इसी तरह बंद रेलवे फाटक को जबरदस्ती पार करना या लांघना दण्डनीय अपराध है उसके बावजूद भाटापारा स्टेशन से लगे सिद्धबाबा रेलवे फाटक में फाटक बंद होने के बावजुद अनेक मोटरसायकल सवार , स्कूटी दुपहिया वाहन चालक , सायकल सवार , व आम नागरिक जोखिमपूर्ण ढंग से फाटक बंद होने के बावजुद आवा जाही कर रहे है जिसके कारण पूर्व में अनेक हादसे हो चुके है उसके बावजुद लोग नियमों का अऊंघन कर सिद्धबाबा रेलवे फाटक को यात्री व मालगाड़ी आने के पूर्व बंद होने के बावजुद जोखिमपूर्ण ढंग से पार कर रहे है जबकि रेलवे एक्ट की धारा 160 के तहत यह दण्डनीय अपराध है और नियम का अऊंघन करने वालों को 3 से 5 वर्ष तक की केद की सजा का प्रावधान भी है लेकिन लोगों को नियम कानून का तनिक भी भय नहीं है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बालिकाओं के लिए नि :शुल्क केक निर्माण प्रशिक्षण शुरू

पांच दिवसीय प्रशिक्षण से स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेंगी बालिकाएं

ब्यूरो चीफ : अनिल सिंघानिया

थान खमरिया । भारत सरकार की 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत बालिकाओं को कौशल विकास से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पांच दिवसीय नि:शुल्क केक निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण एकीकृत बाल विकास परियोजना साजा के अंतर्गत थान खमरिया सेक्टर में आयोजित किया जा रहा है।

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशानुसार, जिला कार्यक्रम अधिकारी चंद्रबेश सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन एवं महिला एवं बाल विकास अधिकारी सी.पी. शर्मा के निर्देशन में संचालित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बालिकाओं को व्यावसायिक कौशल प्रदान कर स्वरोजगार से जोड़ना तथा उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी बालिकाओं को केक निर्माण की आधुनिक तकनीकों, आकर्षक सजावट, गुणवत्ता बनाए रखने के उपाय, स्वच्छता के मानकों तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारियों के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद बालिकाएं स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगी।

प्रशिक्षण के प्रथम दिवस प्रतिभागियों को कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया गया। साथ ही केक निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री एवं उपकरणों की जानकारी दी गई तथा केक बनाने की प्रारंभिक विधियों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षकों ने बालिकाओं को नियमित रूप से प्रशिक्षण में भाग लेने, अपने कौशल का निरंतर विकास करने तथा स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में सेक्टर सुपरवाइजर, मिशन शक्ति की जेंडर विशेषज्ञ तमन्ना, सखी वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक राखी यादव, केक प्रशिक्षक तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के कौशल विकास प्रशिक्षण बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें रोजगारपरक अवसर उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सावन महीने में शिवपूजा के लिए भक्त अभी से करा रहे हैं विभिन्न यात्री ट्रेनों में अपनी टिकट

इस बार केवल चार सावन सोमवार

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। आगामी 30 जुलाई दिन गुरूवार से प्रारंभ हो रहे सावन सोमवार महीना को शिवभक्ति के लिए महत्वपूर्ण श्रावणमास माना जाता है। सावन सोमवार इस बार केवल चार होंगे। अंतिम सावन सोमवार का महोत्सव 28 अगस्त दिन शुक्रवार को होगा । सावन मास में शिव पूजा के लिए श्रद्धालु भक्त अभी से पवित्र धर्म स्थल की ओर जाने के लिए भाटापारा रेलवे स्टेशन में हजारों की तादाद में विभिन्न ट्रेनों में सीट रिजर्वेशन कराने पहुंच रहे है जिससे संपूर्ण वातावरण शिवभक्ति की तैयारी के लिए शुरू हो चुका है। ज्यादातर लोग इस बार भी साउथ बिहार एक्सप्रेस में टिकट रिजर्वेशन कराने उमड़ पड़े है । भाटापारा से हजारों भक्त जसीडीह रेलवे स्टेशन के लिए अपनी यात्रा टिकट बुक कर रहे है। वहां से वे सुल्तानगंज

स्थित गंगा नदी से जल लेकर पैदल ही कांवर यात्रा में लगभग 108 किलोमीटर का सफर बोल बम के जयघोष के साथ तय करेंगे। श्रद्धालु लगभग 5 दिन तक पैदल चलकर देवघर पहुंचेंगे वहां वे बाबा बैजनाथ को जल चढ़ायेंगे। इसी तरह अनेक भक्त बनारस के काशीविश्वनाथ जाने के लिए अपनी ट्रेन यात्रा टिकट बनाने लगे है । इन सब के अलावा शहर व आस पास के सैकड़ों ऐसे लोग भी हैं जो अलग अलग शिवालय की ओर जाना चाह रहे हैं । उसमें उज्जैन महाकालेश्वर , भीमाशंकर पूणे, मल्लिकार्जुन श्रीशैलम , कैलाश नाथ मंदिर कांचीपुरम , मीनाक्षीअम्मन मंदिर मदुर्रय, सोमनाथ मंदिर बेरावल गुजरात , महेश्वरम चैन्कल केरल , ओंकालेश्वर खंडवा , त्रयम्बकेश्वर नासिक , नागेश्वर द्वारिका गुजरात , घृष्णेश्वर एलोरा महाराष्ट्र सहित अन्य प्रसिद्ध शिवालय में जाने के लिए विभिन्न स्टेशनों की ओर रिजर्वेशन कराने बड़ी तादाद में जुटे हुए है। मान्यता है कि सावन महीने में ज्योतिर्लिंग दर्शन के साथ साथ लोग जलाभिषेक , रूद्राभिषेक व महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने के लिए आतुर रहते है । इस बार अनेक भक्त कर्नाटक राज्य के कोलार स्थित कोटिलिंगेश्वर मंदिर जा रहे है जहां एक करोड़ से ज्यादा शिवलिंग विद्यमान है । इस प्रकार सावन सोमवार को लेकर जहां दूर दूर के मंदिर व देवालय में लोग जाने अभी से तैयारी कर रहे हैं ।

वहीं शहर व क्षेत्र के शिवालयों में भी सावन सोमवार को लेकर प्रारंभिक तैयारी शुरू हो गई है जिसके तहत मंदिरो के साफ सफाई व रंग रोगन के अलावा पूजा अर्चना के लिए आने वाले भक्तों की व्यवस्था के लिए तैयारी चल रही है । नगर के खप्पर बाबा मंदिर, मारवाड़ी कुआ शिवमंदिर, नेहरूवार्ड स्थित शिवमंदिर ,सिद्धबाबा स्थित शिवालय के अलावा मदकुद्वीप व सिमगा से आगे स्थित सोमनाथ मंदिर एवं भाटापारा ब्लॉक के प्राचीन शिव मंदिर रामपुर में भी श्रावण महोत्सव को लेकर तैयारी जारी है।

कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल से सौजन्य भेंट

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। छत्तीसगढ़ विधानसभा सत्र के दौरान प्रदेश के कैबिनेट मंत्री माननीय श्री टंकराम वर्मा एवं स्वास्थ्य मंत्री माननीय श्री श्यामबिहारी जायसवाल से निगम-मंडलों के अध्यक्षों तथा भारतीय जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सौजन्य भेंट कर आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर प्रदेश के विकास, जनहित एवं संगठनात्मक विषयों

पर सकारात्मक चर्चा हुई। सभी ने प्रदेश के समग्र विकास तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अपने विचार साझा किए। मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) एवं डोंगरगढ़ विधानसभा प्रभारी माननीय श्री जितेंद्र कुमार साहू भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी सभी साथियों से आत्मीय संवाद करते हुए संगठन की मजबूती एवं जनसेवा के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया।

झमाझम बारिश से खिले किसानों के चेहरे, खरीफ फसलों को मिला जीवनदान

लंबे इंतजार के बाद हुई झमाझम बारिश कई दिनों की उमस और सूखे के बाद आखिरकार मानसून मेहरबान हुआ

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। पिछले कुछ दिनों से तेज धूप और कम बारिश के कारण किसान बेहद चिंतित थे। खेतों में दरारें पड़ने लगी थीं और सिंचाई के साधन जी जवाब दे रहे थे। लेकिन कल रात से शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। इस झमाझम बारिश से न केवल आम लोगों को गर्मी से राहत मिली है, बल्कि कृषि क्षेत्र में जी नई जान आ गई है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, यह बारिश फसलों के लिए किसी 'अमृत' से कम नहीं है। इससे पौधों की ग्रोथ तेजी से होगी और जिन किसानों की रोपाई रुकी हुई थी, वे अब तेजी से खेतों का रुख कर रहे हैं। बारिश होते ही ग्रामीण इलाकों में हलचल बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 से 48 घंटों में क्षेत्र में बारिश की संभावना बनी हुई है। मौसम वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि वे खेतों में पानी के ठहराव का उचित प्रबंधन करें ताकि फसलों को नुकसान न हो। इस झमाझम बारिश ने न केवल धरती की प्यास बुझाई है, बल्कि देश के अन्नदाता के चेहरे पर एक बार फिर मुस्कान बिखेर दी है। यदि मानसून का यह रुख आगे भी जारी रहा, तो इस बार बंपर पैदावार की उम्मीद की जा सकती है।

सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त कर नवविवाहित दंपत्ति ने जताया आभार

समयबद्ध, पारदर्शी और डिजिटल प्रक्रिया से मिली बड़ी राहत, शासन की योजनाओं का लाभ लेने में होगी सुविधा

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, सुलभ, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित सेवा सेतु पोर्टल आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से विभिन्न प्रमाण पत्रों एवं शासकीय सेवाओं का लाभ अब नागरिकों को कम समय में, बिना अनावश्यक भागदौड़ के प्राप्त हो रहा है। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले की तहसील बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत किरीतपुर की निवासी श्रीमती प्रियंका, पिता श्री नीलकंठ, जिनका विवाह बलौदाबाजार जिले की तहसील सिमगा अंतर्गत ग्राम नवागांव, पोस्ट कामता निवासी श्री टिकेश्वर, पिता श्री नारायण के साथ संपन्न हुआ है, ने विवाह उपरांत सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से विवाह प्रमाण पत्र हेतु ऑनलाइन आवेदन किया।

आवेदन प्राप्त होने के पश्चात संबंधित

अधिकारियों द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण एवं सत्यापन किया गया। सभी औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद निर्धारित समयावधि में विवाह प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। पूरी प्रि या सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी एवं सुगमता के साथ संपन्न हुई, जिससे आवेदकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। नवविवाहित दंपत्ति ने बताया कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना बेहद आसान रहा। उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े और निर्धारित समय में विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। इससे उनका समय एवं आर्थिक व्यय दोनों की बचत हुई। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही यह डिजिटल सुविधा नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी है।

विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त होने के बाद अब दंपत्ति को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने में सुविधा होगी। इस प्रमाण पत्र का उपयोग महतारी वंदन योजना, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, बैंक खाते से संबंधित प्रि याओं, संयुक्त बैंक खाता खोलने, बीमा सेवाओं, श्रम कार्ड, पासपोर्ट, नाम परिवर्तन, विभिन्न शासकीय अभिलेखों के अद्यतन सहित अन्य आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक कार्यों में किया जा सकेगा। नवविवाहित दंपत्ति ने विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर छत्तीसगढ़ शासन, जिला प्रशासन बेमेतरा, संबंधित अधिकारियों, ग्राम पंचायत तथा सेवा सेतु केन्द्र के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु पोर्टल ने शासकीय सेवाओं को वास्तव में जनसुलभ बनाया है। यह व्यवस्था आम नागरिकों को पारदर्शी, त्वरित एवं विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

उल्लेखनीय है कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को अनेक महत्वपूर्ण शासकीय सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। शासन की इस डिजिटल पहल से न केवल सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध सेवा वितरण को भी मजबूती मिली है। जिला प्रशासन बेमेतरा द्वारा आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में सेवा सेतु पोर्टल एवं निकटस्थ सेवा सेतु केन्द्रों के माध्यम से शासकीय सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की गई है।

संक्षिप्त समाचार

शिवरतन शर्मा ने रामसागरपारा स्कूल में अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण किया

भाटापारा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में देश व संपूर्ण प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है और शिक्षा के क्षेत्र में बच्चो को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ साथ बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। शिक्षा के जरिये ही किसी भी समाज व राष्ट्र की प्रगति का मूल्यांकन किया जा सकता है। सरकार द्वारा स्कूलों में लगातार सुविधाएं बढ़ाने के लिए बजट का प्रावधान किया जा रहा है । उन्होंने शिक्षक , पालक और समाज के सहयोग से विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के निर्माण की बात पर जोर दिया । शिवरतन शर्मा ने भाटापारा शहरी क्षेत्र के रामसागर वार्ड हायर सेकण्डरी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्कूल में नवनिर्मित 04 अतिरिक्त कक्षा का फिता काटकर लोकार्पण किया। उक्त अतिरिक्त कक्षा के बन जाने से छात्र छात्राओं को अध्ययन अध्यापन में पर्याप्त स्थान प्राप्त हो सकेगा । इस दौरान शर्मा ने 02 अतिरिक्त कक्षो के निर्माण कार्य के लिए विधिवत् भूमि पूजन भी किया इसके पश्चात उन्होंने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी सरस्वती सायकल योजना के तहत छात्राओं को सायकल वितरित किया। स्कूली छात्रायें सायकल पाकर खुशी से झूम उठी । शर्मा ने आगे यह भी कहा कि स्कूल को आगे भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जायेगा। सायकल मिलने से दुर दराज से आने वाली बेटियों व छात्राओं को बेहतर सुविधा मिल सकेगा। व वे समय पर स्कूल से घर व घर से स्कूल आ - जा सकेंगी। उपरोक्त अवसर पर पार्षद नरेन्द्र यदु, पूर्व पार्षद व्यासनारायण यदु, सुनील यदु, गोलु यदु, लक्ष्मीकांत टंडन, अशोक साहू, लक्ष्मी यदु सहित स्कूल स्टॉफ के अन्य लोग तथा स्कूल प्रबंधन समिति के पदाधिकारी , पालकगण , छात्र-छात्रा व वार्डवासी बड़ी तादाद में उपस्थित थे।

पुरानी रंजिश को लेकर चाकूबाजी करने वाला युवक पुलिस के हत्थे चढ़ा

भाटापारा। शहर पुलिस द्वारा नगर में असामाजिक गतिविधियों में लिप्त लोगो के विरूद्ध चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान में खुलेआम चाकूबाजी करने वाले युवक के विरूद्ध कार्यवाही की गई है। उपरोक्त संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार महावीर वार्ड निवासी जगेन्दर साहू अपने मित्र मंगल यदु व शिवम पंडित के साथ सब्जी लेने गया था इसी दौरान महावीर वार्ड स्थित अटल आवास के पास किराना दुकान के समीप राहुल बंजारे नामक युवक ने पुरानी रंजिश की बात को लेकर जगेन्दर साहू को भद्दी व अश्लील गाली देने लगा और इसके बाद वह अपने पास रखे धारदार चाकू से जगेन्दर साहू के सीने पर वार करने लगा जिसपर जगेन्दर ने चाकू के वार से बचने के लिए खूद को पीछे हटाते हुए बाये हाथ से चाकू के वार को रोका जिसके कारण उसके बाये हाथ की कोहनी के पास चाकू जाकर लगा व खून बहने लगा । घटना की सूचना पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए राहुल बंजारे को ढुंढकर घेराबंदी करते हुए पकड़ा जिसमें पुलिस पूछताछ में राहुल बंजारे ने पुरानी रंजिश को बात को लेकर हत्या करने की नीयत से जगेन्दर साहू पर हमला करने की बात स्वीकार की । । राहुल बंजारे की निशानदेही पर महावीर वार्ड तालाब के पास स्थित शनि मंदिर के नजदीक उसक द्वारा छिपाकर रखे गये धारदार चाकू को बरामद कर लिया गया है । पुलिस ने राहुल बंजारे के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 , 109 , 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को समय पर आवास पूर्ण करने के निर्देश

जल संरक्षण पर दिया विशेष जोर

बेमेतरा। जनपद पंचायत साजा मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) द्वारा शनिवार को ग्राम पंचायत दर्री में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत चौपाल बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा करते हुए हितग्राहियों को अपने आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया। बैठक के दौरान वर्तमान समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता जल संरक्षण पर विशेष चर्चा की गई। सीईओ ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि "जल ही जीवन है", इसलिए प्रत्येक परिवार को जल संरक्षण के प्रति जागरूक होकर अपने घरों में सोखता गड्ढा (सोकपिट) एवं रेन वॉटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) प्रणाली का निर्माण करना चाहिए। उन्होंने बताया कि इन संरचनाओं से वर्षा जल का संरक्षण होगा, भू-जल स्तर में वृद्धि होगी तथा जल का अपव्यय भी रोका जा सकेगा।

यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सीईओ ने उपस्थित विकासखंड समन्वयक, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं पंचगणों को निर्देशित किया कि वे ग्रामीणों को जल संरक्षण संबंधी संरचनाओं के निर्माण हेतु आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करें, ताकि प्रत्येक घर में जल संरक्षण की प्रभावी व्यवस्था विकसित हो सके। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के साथ-साथ 'वीबी राम जी' सहित विभिन्न शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को दी गई तथा योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। चौपाल बैठक में बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को लेकर भाटापारा स्टेशन में संरक्षा सेमिनार का आयोजन

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षण विभाग द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन हेतु परिचालन, विद्युत परिचालन, इंजीनियरिंग, यांत्रिक तथा सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों के साथ भाटापारा स्टेशन में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें शंटिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां एवं ट्रेनों के परिचालन पर प्रभाव डालने वाली संभावित दशाओं की रिपोर्ट सामान्य नियम 6.07, स्पैड से बचाव एवं आटोमैटिक सिग्नलिंग फेलुअर के दौरान दी जाने वाली प्राधिकार और चालक द्वारा ली जाने वाली सावधानियाँ सामान्य नियम 9.12, इंजीनियरिंग विज्ञान के द्वारा मानसून के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां, पॉइंट्स एवं सिग्नल की विफलता के दौरान परिचालन एवं सिग्नल कर्मचारियों के द्वारा बरती जनेवाली सावधानियां, गुडस शेड एवं साइडिंग से लोड क्लियर के दौरान हॉट एक्सल, बेक बाइंडिंग, डोर हीटिंग, असामान्य लोड एवं तरपोलीन को लटकने से बचाव के लिए क्रू, ट्रैन मैनेजर एवं स्टेशन कर्मचारी के दवारा की जाने वाली जाँच, संरक्षा अनुपालन हेतु राजभाषा हिंदी का महत्व, हाल ही में हुई दुर्घटनाओं का विश्लेषण, प्राथमिक उपचार पेटी के उपयोग का प्रदर्शन तथा अग्निशामक यंत्र का उपयोग एवं प्रदर्शन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई । उक्त सेमिनार में सुरेश चन्द्र, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी/रायपुर, सनत कुमार साव, सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी/रायपुर तथा निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी/रायपुर के साथ-साथ , संरक्षा सलाहकारों ने संरक्षा सेमिनार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संरक्षा संगठन/रायपुर मंडल के द्वारा प्रत्येक माह में 02 संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में किया जाता है, जिससे कर्मचारियों में कार्य करने के दौरान संरक्षा के प्रति जागरुकता लाई जा सके। उक्त संरक्षा संगोष्ठी में संरक्षा सलाहकार, सुपरवाइजर, एवं फील्ड कर्मचारियों को मिलाकर कुल 67 लोगों ने भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

नंदकिशोर गोयनका को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

थानखमरिया। अग्रोहाधाम के शिल्पी एवं गौसेवा को समर्पित समाजसेवी नंदकिशोर गोयनका को अग्रवाल समाज के विभिन्न संगठनों एवं वरिष्ठ समाजजनों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। नंदकिशोर गोयनका की 15 जुलाई को अग्रवाल समाज के पांचवें धाम अग्रोहा में अंत्येष्टि की गई। वे पूर्व राज्यसभा सांसद सुभाष चंद्रा के पिता थे नंदकिशोर गोयनका का संपूर्ण जीवन अग्रोहाधाम के नवनिर्माण, गौसेवा एवं समाजसेवा के कार्यों के लिए समर्पित रहा। उनके निधन को अग्रवाल समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया गया। उनके निधन पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन जिला इकाई बेमेतरा के अध्यक्ष अनिल सिंघानिया, सुरेश सिंघानिया, पुरुषोत्तम अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, आशीष बंसल, संजय बंसल, गौरव बिंदल, प्रतीक सिंघानिया, साकेत अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, रूद्रेश अग्रवाल, रौनक मुरारका एवं प्रमोद सिंघानिया सहित समाज के अनेक लोगों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

भाटापारा स्टेशन के बाहर सवारी लेने की होड़ में जाम के हालात

भाटापारा। भाटापारा रेलवे स्टेशन के आस पास इन दिनों सवारी बैठानी की होड़ लगने के कारण ई रिक्शा एवं टैक्सी चालकों में होड़ मची हुई है। स्टेशन के बाहर समुचित पार्किंग व्यवस्था नही होने से लगभग 600 से अधिक बैटरी चलित रिक्शा टैम्पो , टैक्सी का जमावड़ा स्टेशन के बाहर अव्यवस्थित रूप से होने के कारण वहां पर भगदड़ की स्थिति बन रही है उपर से अनेक यात्री बसों एवं शहर से बाहर जाने वाली स्कूली बच्चो के बसों का जमावड़ा होने से स्थिति गंभीर बनी हुई है अव्यवस्थित यातायात के कारण विभिन्न यात्री ट्रेनों से आने वाले हजारो रेल यात्रियों को परेशानी से जूझना पड़ रहा है खासकर ट्रेन आने के दौरान तमाम टैक्सी चालक अपनी अपनी वाहन को आड़ा तिरछा खड़ा करके रेलवे गेट पर हुजुम लगाये सवारी लेने की होड़ में जुट जाते है । जिसके कारण रेल यात्रियों को बाहर निकलने एवं अंदर प्लेटफॉर्म में जाने में दिक्कतो से जूझना पड़ रहा है । स्टेशन में मौजुद आरपीएफ व जीआरपी को इस दिशा में व्यवस्था बनाने के लिए तमाम टैक्सी चालको को निर्धारित स्थल पर ही व्यवस्थित रूप से वाहन लगाने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए ताकि लोग व्यवस्थित रूप से सड़क व स्टेशन के प्रवेश द्वार से आ - जा सके । खासकर सवारी लेने की होड़ में प्लेटफॉर्म एवं स्टेशन के मुख्य द्वार पर टैक्सी चालक बड़ी तादाद में खड़े हो जाते है जिसके कारण महिला रेल यात्रियों को अप्रिय स्थिति का सामना करना पड़ता है। जनहित में भाटापारा रेलवे स्टेशन के बाहर व्याप्त अव्यवस्था को दुर करने के लिए संयुक्त कार्यवाही जरूरी हो गया है।

चखना दुकान संचालक के विरूद्ध की गई कार्यवाही

भाटापारा। पुलिस प्रशासन द्वारा अवैध कारोबार में लिप्त लोगो के विरूद्ध चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान में अवैध रूप से चखना दुकान की आड़ में शराब पीने वालों को सुविधा मुहैय्या कराने के आरोप में रामप्रसाद साहू को पुलिस ने पकड़ा है व उसके विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की है।

श्री रामसप्ताह मंडप की बैठक संपन्न

भाटापारा । श्री रामसप्ताह मंडप में 88 वां वर्ष के रामसप्ताह उत्सव को मनाने की रूपरेखा हेतु बैठक आयोजित की गई जिसमें पिछले वर्ष का आय व्यय प्रस्तुत किया गया। रामसप्ताह उत्सव उत्साह पूर्वक मनाने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। उक्त उत्सव 29 अगस्त दिन शनिवार को प्रारंभ होगी तथा 5 सितंबर को दिन शुक्रवार को भव्य शोभा यात्रा निकाली जायेगी। रामसप्ताह उत्सव में सभी नगरवासी,भजन मंडली, व्यवस्थापकगण, भकगण,सदस्यगण को पूर्ण सहयोग प्रदान करने की अपील की है। साथ ही नगरवासियों को रामसप्ताह उत्सव में बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

भाटापारा शहर में सफाई व्यवस्था फिर लड़खड़ाई ,जगह जगह कूड़ा -करकट का ढेर

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर में बरसात का मौसम प्रारंभ होने के बाद से विभिन्न वार्ड व इलाको में सफाई व्यवस्था कमजोर होने के कारण एक बार फिर कूड़ा - कचरा व गंदगी का माहौल देखने को मिल रहा है । जिसके कारण नगर में मच्छर व मक्खियों की बाढ़ सी आ गई है। पूर्व में अर्से पूर्व शहर के नालियों व सड़क पर मच्छर नाशक दवाओं का छिड़क ाव किया जाता था लेकिन मौजुदा समय मे मच्छर व मक्खी नाशक दवाओं का छिड़काओं नही होने से गंदगी के साथ साथ मक्खी , मच्छर से लोग हलाकान है । शहर में सबसे ज्यादा गंदगी का वातावरण सदर वार्ड अंतर्गत हटरी बाजार पुराना मछली मार्केट क्षेत्र एवं वर्षो से बंद पड़े हटरी बाजार रेलवे अंडर ब्रिज के पास देखा जा रहा है। इसी तरह कृषि उपज मंडी के समीप स्थित पुराने बस स्टैण्ड में अथाह गंदगी का साम्राज्य व्याप्त है। जहां शाम ढलते ही शराब पीने वालो का मजमा लगा होता है और वे शराब के साथ साथ चखना के तमाम आयटम वहीं पर खरीदकर पुरे बस स्टैण्ड परिसर को गंदगी का घर बना रहे है। बस स्टैण्ड परिसर में चारो तरफ अथाह गंदगी से वातारण पुरी तरह बिगड़ गया है उसके बावजुद इस दिशा में प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। इसी तरह जगह जगह अब चौक चौराहे व नुक ड़ पर डिस्पोजल , प्लास्टिक गिलास , के अलावा पॉलिथीन के कचरे एवं सड़े गले फल सब्जी के कचरे फेके जाने के कारण संपूर्ण शहर में एक बार फिर गंदगी का वातावरण नजर आने लगा है। गंदगी के चलते शहर के विभिन्न हिस्सो में सड़ांध मारने वाली बदबू से लोग हलाकान है और मुंह पर कपड़ा व रूमाल रखकर आने जाने मजबुर है। रेलवे ओव्हर ब्रिज के नीचे अंबेडकर चौक तक अथाह गंदगी से लोग परेशान है वहीं खुलेआम वहा पर मांस काटने व बेचने की नई परंपरा शुरू होने से सड़क पर आवाजाही करने वाले भी परेशान है। बताया जाता है कि प्रदेश की सबसे बड़ी नगर पालिका में एक लंबे समय से स्वास्थ्य अधिकारी एवं स्वच्छता निरीक्षक का पद रिक्त है जिसके कारण सफाई व्यवस्था लचर स्थिति में है। केवल कुछ वार्डो में ही सफाई व्यवस्था को केन्द्रीत कर दिया गया है। जबकि शहर क । फैलाव लगातार होने के बाद सफाई व्यवस्था को और मजबुत बनाये जाने की जरूरत है। सफाई कार्य को देखने के लिए लगे हुए कर्मचारी केवल फोटो खीचने तक सिमित होकर रह गये है जबकि पहले के कर्मचारी खड़े होकर नाली व सड़क की सफाई निरंतर कराते थे। मौसमी बीमारी को ध्यान में रखते हुए सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता से सुधारने की जरूरत है इसके लिए पहले की तरह ही तहसीलदार व नायब तहसीलदार को स्थल निरीक्षण के लिए लगाया जाना चाहिए ताकि पालिका कर्मचारी अपने कर्तव्यों के प्रति सहज व सरल रूप से सफाई कार्य नियमित रूप से निर्धारित समय तक कर सके ।

रोहित साहू बने शाला विकास समिति के अध्यक्ष

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। स्वामी आत्मानंद पंचम यादव दीवान कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल में शाला विकास समिति का गठन किया गया है जिसमें शाला विकास समिति का अध्यक्ष ग्राम टेहका निवासी रोहित साहु को बनाया गया है। अपनी नियुक्ती पर रोहित साहु ने वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा के प्रति आभार प्रकट किया है। वहीं रोहित साहू के शाला विकास समिति अध्यक्ष बनने पर प्रभारी प्राचार्य शैलेन्द्र नामदेव पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा , जनपद अध्यक्ष सवितापदीप अनंत , जेलाराम वर्मा , योगेश अनंत , कुंजराम कोशले, पवन वर्मा , खुमान वर्मा , सतीश तलरेजा , ठाकुर राम साव, ललितानारायण जोगी, बलराम साहू, मन्नुलाल यादव , हेमंत ध्रुव , रिखीराम ध्रुव , राकेश साहू, जगदीश ध्रुव , मनोज यादव , जगदीश ध्रुव , जेलाराम साहू , नरेन्द्र दक्षिणे एवं नंदु साहू सहित अन्य लोगो ने बधाई दी है ।

श्रावणी मेले के भीड़ को देखते हुए इतवारी - मधुपुर के बीच स्पेशल ट्रेन

भाटापारा। आगामी सावन माह के श्रावणी मेले के लिए रेल प्रशासन ने विभिन्न ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए इतवारी- मधुपुर - इतवारी रेलवे स्टेशन तक साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। उपरोक्त संबंध में रेलवे सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन क्रमांक 0895 इतवारी - मधुपुर स्पेशल ट्रेन 1 अगस्त से 29 अगस्त 2026 तक प्रत्येक शनिवार को इतवारी से चलेगी वहीं टे:न क्रमांक 08896 मधुपुर इतवारी स्पेशल ट्रेन 2 अगस्त से 30 अगस्त 2026 तक प्रत्येक रविवार को मधुपुर रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। उपरोक्त विशेष ट्रेन से श्रावणी मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं एवं अन्य यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करेगी। उक्त ट्रेन के संचालन से नियमित ट्रेनों पर भीड़ का दबाव कम होगा। रेल प्रशासन का कहना है कि उपरोक्त स्पेशल ट्रेन के संचालन से यात्रियों की रेल यात्रा आरामदायक सुगम व सुरक्षित होगी। इतवारी मधुपुर तथा मधुपुर - इतवारी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का ठहराव गोंदिया , डोगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर के बाद भाटापारा में भी दिया गया है। भाटापारा से छुटकर उक्त ट्रेन बिलासपुर , चांपा , रायगढ़ , बेलपहाड़ , ब्रजराजनगर में भी रूकेगी जिससे श्रावणी मेले के लिए जाने वाले रेल यात्रियों को सुविधा होगी ।

भाटापारा क्षेत्र में एक बार फिर बंदूकधारियों ने ज्वेलर्स को लूटा

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

36 लाख के सोने चांदी लूटकर भाग खड़े हुए बाईक सवार

भाटापारा। भाटापारा क्षेत्र में लगातार अपराध का ग्राफ बढ़ते जा रहा है । शहर से 9 किलोमीटर दुर ग्राम रोहरा के ज्वेलर्स दीपक ज्वेलर्स के संचालक बलराम सोनी पिता दिनेश सोनी रोज की तरह अपने निवास ग्राम तरेंगा से बाईक में सवार होकर रोहरा स्थित दुकान खोलने जा रहे थे कि तरेंगा व रोहरा के चार किलोमीटर के सफर के बीच ही दो अन्य बाईक सवार जो कि हेलमेट पहने थे उन्होंने बंदूक की नोक पर ज्वेलर्स बलराम सोनी की लुट लिया। लुट के बाद लगभग 36 लाख रूपयें के सोने चांदी के जेवरात लुटकर लुटेरे भाग खड़े हुए । बताया जाता है कि ज्वेलर्स अपनी दुकान खोलने तरेंगा से रोहरा जा रहा था कि प्रात: 10 बजे के पूर्व विपरित दिशा से बाईक सवार पहुंचे व बलराम सोनी की दुपहिया को रूकवा कर बंदुक नोक दिखा सोने चांदी से भरे थैले को लुटकर भाग खड़े हुए । इस घटना से व्यथित बलराम सोनी ने थाना पहुंचकर लुट की रिपोर्ट लिखाई । जिसपर पुलिस ने त्वरित मोर्चा संभालते हुए भाटापारा सिमगा , सुहेला , हथबंद व पुलिस चौकी लिमतरा को सूचना देकर घटना की जानकारी देते हुए फौरन नाकाबंदी करने का निर्देश दिया । इस घटना की जानकारी होने पर पुलिस के उच्चाधिकारी व साईबर सेल की टीम भी भाटापारा से लेकर तरेंगा रोहरा तक सरि य है व उक्त घटना के संबंध में सघन जांच पड़ताल करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है । इस बीच पुलिस का कहना है कि ज्वेलर्स के पास जेवर के किसी भी प्रकार क ा कोई बिल नही मौजुद नही है। इस तरह पिछले कुछ वर्षो में भाटापारा क्षेत्र में जेवर व ज्वेलर्स लुटने की यह तीसरी बड़ी वारदात है। इस बीच गुरूवार को प्रात: 36 लाख रूपयें की जेवरात लुटे जाने की घटना से व्यापारियों में दहशत का माहौल बना हुआ है । समाचार लिखे जाने तक पुलिस लुटेरो की तलाश में जुटी हुई है व हर एंगल से घटना की जांच पड़ताल जारी है।

स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय की की दो छात्राओं को दस - दस हजार रूपयें की पुरस्कार राशि प्रदान की गई

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली दो मेघावी छात्राओं को सम्मानित किया गया है। बोर्ड परीक्षा में कक्षा 12वीं में 95% अंक प्राप्त करने वाली छात्रा कु गौरी त्रिवेदी तथा कक्षा 10वीं में 95% अंक प्राप्त करने वाली छात्रा कु ख्याति विश्वकर्मा को विद्यालय के पूर्व प्राचार्य अशोक सिंह परिहार द्वारा दस - दस हजार नकद पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर अशोक सिंह परिहार ने दोनों छात्राओं की मेहनत, लगन और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को इन छात्राओं से प्रेरणा लेकर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। सम्मान समारोह में विद्यालय के प्राचार्य केशव प्रसाद देवांगन एवं समस्त शिक्षकगण और सभी विद्यार्थियों ने दोनों छात्राओं का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आशा जताई कि आने वाले वर्षों में भी विद्यालय के विद्यार्थी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

भाटापारा के तालाबों में व्याप्त गंदगी को श्रमदान से हटाने की मांग

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर में रूक - रूककर हुई बारिश के बाद नगर के तालाब में गंदगी का माहौल व्याप्त है। नगर के सबसे बड़े कल्याण सागर तालाब में बरसात के बाद जल भराव की स्थिति में थोड़ा सा सुधार हुआ है लेकिन वहां व्याप्त गंदगी से लोग परेशान है। खासकर स्टेट बैंक के सामने से कल्याण सागर तालाब पहुंच मार्ग की तरफ तालाब में बड़े पैमाने पर जलकुंभी व गंदगी व्याप्त होने से संपूर्ण तालाब का पानी दुर्गंध उत्पन्न कर रहा है जिससे आस पास रहने वालों को असहनीय बदबू से जुझना पड़ रहा है। तालाब क्षेत्र में नाली निर्माण कार्य अधुरा होने से लोगो की परेशानी और अधिक बढ़ गई है। शहर के लगभग 31 वार्डो में से अधिकांश वार्डो के लोग इस तालाब में किसी की भी मृत्यु होने के पश्चात स्नान , ध्यान व अन्य क्रियाकर्म जिसमें नहावन , दशनहावन जैसे कार्य भी होते है वे सब करने पहुंचते है लेकिन साफ सफाई व गंदगी के अथाह भंडार कल्याण सागर तालाब में होने के कारण उन्हें मजबुरी में यहां पर गंदे जल में ही स्नान , ध्यान करना पड़ रहा है प्रशासनिक लापरवाही से लगभग 18 एकड़ तालाब जो कि क्षेत्र के प्रसिद्ध दानवीर स्वर्गीय दाऊ कल्याण सिंह ने सन् 1938 के दौरान पड़े भीषण अकाल को देखते हुए अपनी प्रजा के हित में कल्याण सागर तालाब का निर्माण कराया था। उसके बाद से तालाब की समुचित देखरेख व संरक्षण व्यवस्था नही होने से तालाब के चारो तरफ अंधाधुंध बेखौफ अवैध कब्जा लोगो ने करके तालाब के अस्तित्व को ही संकट में डाल दिया है। जनहित में कल्याण सागर तालाब को अतिर मण मुक्त करने के साथ साथ गंदगी से मुक्त करने के लिए तालाब में सामुहिक श्रमदान किये जाने की जरूरत है।

इसी तरह कईहा तालाब जो कि रामसप्ताह मंडप के पीछे स्थित है वहां पर भी स्वच्छता अभियान चलाये जाने की नितांत आवश्यकता है। कईहा तालाब में भी अवैध कब्जा करने वालों के अवैध कब्जे को बिना किसी ज़ेदभाव के हटाने की जरूरत है। इसी तरह नक्खीबाबा तालाब , पैतु डबरी तालाब, रामसागर तालाब व कुछ अन्य तालाब को भी सफाई की जरूरत है। तालाबों के सफाई को लेकर प्रशासन को जनसहयोग से श्रमदान करते हुए तालाब में व्याप्त गंदगी को हटाने की दिशा में शीघ्र कदम उठाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

नकटी सहित छह गाँवों की जमीन बिल्डरों को सौंपने की तैयारी

रायपुर। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद अकबर ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार अब नकटी गाँव के विवाद को सुलझाने के बजाय वहां की जमीनों को लेकर एक अन्य विवाद की तैयारी में है। शासकीय दस्तावेज स्पष्ट रूप से बताते हैं कि नकटी सहित सेरीखेड़ी, मंदिर हसौद, रमचंडी, बरौदा और रीको की कुल 436.01 हेक्टेयर (करीब 1076 एकड़) भूमि को नगर विकास योजना के नाम पर निजी हाथों में सौंपने की तैयारी की जा रही है। सबसे गंभीर बात यह है कि इस प्रस्तावित योजना में नकटी गाँव की भी कुछ जमीनों को शामिल किया गया है। सरकार स्पष्ट करें कि इस योजना में वह विवादित जमीन तो शामिल नहीं है जहाँ विध्वंश हुआ है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा जारी निविदा के दस्तावेज बताते हैं कि चयनित एजेंसी को सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज, विद्युत जैसी आधारभूत संरचनाएं विकसित करने के बदले मिश्रित उपयोग (मिक्स यूज) भूमि के विकास और उसके विक्रय का अधिकार दिया जाएगा। इसका मतलब ये है कि ऊंछ जमीनों को सीधे न बेचकर डेवलपर के माध्यम से बेचा जा रहा है। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 22.07.2026 है। नकटी गाँव की जमीन को लेकर विवाद बना हुआ है।

प्राचीन बावड़ी में खेलते-खेलते डूबे दो मासूम

रायपुर। राजधानी रायपुर के धरसीवां क्षेत्र स्थित कुंबरगढ़ के प्राचीन चतुर्भुजी मंदिर परिसर में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। मंदिर परिसर की प्राचीन बावड़ी में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों बच्चों के शवों को बाहर निकालकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से बावड़ी के आसपास सुरक्षा इंतजाम करने की मांग उठाई है। जानकारी के अनुसार, कुंबरगढ़ स्थित प्राचीन चतुर्भुजी मंदिर परिसर में वर्षों पुरानी बावड़ी है, जहां आसपास के बच्चे अक्सर खेलने के लिए आते हैं। शनिवार को भी रोज की तरह कई बच्चे मंदिर परिसर में खेल रहे थे। इसी दौरान साक्षी साहू (7 वर्ष), पिता योगेश साहू और श्रवण धीवर (4 वर्ष), पिता भूपेंद्र धीवर खेलते-खेलते बावड़ी के पास पहुंच गए।

जल जीवन मिशन से 129 घरों तक पहुंचा स्वच्छ पेयजल

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जल जीवन मिशन के माध्यम से प्रदेश के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जशपुर जिले के जिला मुख्यालय से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित सीमांत ग्राम बिरहीपानी में जल जीवन मिशन ने ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। अब गांव के सभी 129 घरों में नल के माध्यम से नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। घने जंगलों से घिरे और भौगोलिक दृष्टि से दुर्गम इस गांव में लंबे समय तक मूलभूत सुविधाओं का समुचित विकास नहीं हो पाया था। जल जीवन मिशन से पहले ग्रामीण अपनी पेयजल आवश्यकताओं के लिए हैंडपंप, कुएं और ढोढ़ी जैसे पारंपरिक जल स्रोतों पर निर्भर थे। गर्मी के मौसम में इन स्रोतों का जलस्तर घट जाने से पेयजल संकट गहरा जाता था और ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। असुरक्षित जल के उपयोग से जलजनित बीमारियों का खतरा भी बना रहता था। इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम बिरहीपानी में संगठित पाइप जल प्रदाय

प्रणाली विकसित की गई। योजना के तहत चार उच्च स्तरीय जलागारों का निर्माण किया गया तथा पूरे गांव में पाइपलाइन नेटवर्क बिछाया गया। इसके माध्यम से गांव के सभी 129 परिवारों को क्रियाशील फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) उपलब्ध कराए गए हैं। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।

जशपुर के दूरस्थ वनांचल गांवों तक पहुंच रही बुनियादी सुविधाएं

प्रत्येक परिवार को घर-घर नल से स्वच्छ पेयजल मिल रहा है। इससे महिलाओं के समय और श्रम की उल्लेखनीय बचत हुई है तथा वे अब परिवार की देखभाल, बच्चों की शिक्षा और आजीविका संबंधी गतिविधियों में अधिक समय दे पा रही हैं। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से जलजनित बीमारियों में कमी आई है और बच्चों की विद्यालयों में नियमित उपस्थिति भी बढ़ी है। योजना के दीर्घकालिक संचालन एवं रखरखाव के लिए ग्राम स्तर पर जल एवं स्वच्छता समिति का गठन किया गया है। स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से जलापूर्ति व्यवस्था का सफल संचालन किया जा रहा है, जिससे योजना की सतत उपयोगिता सुनिश्चित हो रही है। ग्रामीणों ने संचालित जल जीवन मिशन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि घर-घर नल से जल उपलब्ध होने से उनका जीवन अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक बन गया है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री भगवान श्री जगन्नाथ की पावन रथयात्रा में हुए शामिल

रथयात्रा हमारी आस्था, लोकसंस्कृति, सामाजिक समरसता और जनभागीदारी का जीवंत महापर्व - मुख्यमंत्री साय

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर में आयोजित भव्य रथयात्रा महोत्सव में शामिल हुए। दोनों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा पारंपरिक 'छेरा-पहरा' की रस्म निभाते हुए प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की आस्था, भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा। वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और जयघोष के बीच भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की प्रतिमाओं को विशेष विधि-विधान के साथ मंदिर से रथ तक लाया गया।

इसके पूर्व राज्यपाल श्री रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पारंपरिक रीति से सोने की झाड़ू द्वारा छेरा-पहरा की रस्म निभाकर रथमार्ग का प्रतीकात्मक शुद्धिकरण किया। इसके पश्चात महाप्रभु की प्रतिमाओं को श्रद्धापूर्वक रथ पर विराजित किया गया और रथयात्रा का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को रथयात्रा की हार्दिक

शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता, लोकपरंपरा और जन-जन की आस्था का महापर्व है। यह उत्सव समाज को सेवा, समर्पण, समानता और लोककल्याण का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ किसानों के आराध्य और अन्नदाता के रक्षक माने जाते हैं। उनकी कृपा से समय पर वर्षा होती है, खेतों में हरियाली आती है, धान की बालियों में दूध भरता है और किसानों के घरों में समृद्धि का आगमन होता है। उन्होंने भगवान श्री जगन्नाथ से प्रार्थना की कि इस वर्ष प्रदेश

में भरपूर वर्षा हो, कृषि समृद्ध हो, किसानों की मेहनत सफल हो और छत्तीसगढ़ निरंतर विकास एवं खुशहाली के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का दिव्य आशीर्वाद समस्त प्रदेशवासियों पर बना रहे तथा सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और मंगल का संचार हो। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपराओं को सशक्त बनाने के साथ-साथ समाज में सद्भाव, एकता और सामूहिक चेतना को भी नई ऊर्जा प्रदान करते हैं।

उल्लेखनीय है कि राजधानी रायपुर के गायत्री-नगर स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में प्रतिवर्ष पुरी की विश्वविख्यात रथयात्रा की तर्ज पर यह आयोजन अत्यंत श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न होता है। छेरा-पहरा की परंपरा इस बात का प्रतीक है कि भगवान के समक्ष सभी समान हैं और सेवा ही सर्वोच्च धर्म है। उल्लेखनीय है कि ओडिशा का पड़ोसी राज्य होने के कारण छत्तीसगढ़ में भगवान श्री जगन्नाथ के प्रति विशेष श्रद्धा और आस्था रही है। प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में रथयात्रा का आयोजन उत्साहपूर्वक किया जाता है। उत्कल संस्कृति और दक्षिण कोसल की सांस्कृतिक परंपराओं के बीच यह पर्व एक सशक्त सेतु का कार्य करता है। इस अवसर पर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, विभिन्न निगम-मंडलों एवं आयोगों के अध्यक्षगण, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

शिक्षा और भविष्य निर्माण में अभिभावकों की महत्वपूर्ण योगदान- रामविचार नेताम

रायपुर। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम बलरामपुर जिले के नगर पालिका रामानुजगंज में लरंगसाय कम्युनिटी हाल में आयोजित जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम शामिल हुए। कार्यक्रम में मंत्री श्री नेताम सहित अतिथियों ने नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस मौके पर बच्चो को अतिथियों द्वारा निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, स्कूल बैग एवं गणवेश प्रदान किया गया। साथ ही कक्षा 9वीं में प्रवेशित छात्राओं को सरस्वती

सायकल योजना के तहत सायकल वितरित किया गया। वहीं 10वीं एवं 12वीं में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम की शुरुआत में स्कूली बालिकाओं द्वारा मनमोहक स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात बालिकाओं ने बालिका शिक्षा के महत्व, समान अवसर और शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश देती हुई नाट्य प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को बालिकाओं की शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें विद्यालय से जोड़ने का संदेश दिया। एकलव्य आवासीय विद्यालय की बालिकाओं द्वारा छत्तीसगढ़ी पारम्परिक वेशभूषा में लोक नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

ईको ट्रेल का डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने किया शुभारंभ

रायपुर। कबीरधाम जिले के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल भोरमदेव धाम में पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन विकास की दिशा में एक नई पहल की शुरुआत हुई है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पावन भोरमदेव धाम में भोरमदेव ईको ट्रेल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने ईको ट्रेल का भ्रमण कर प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता का अवलोकन किया। भोरमदेव ईको ट्रेल की शुरुआत का उद्देश्य क्षेत्र की प्राकृतिक धरोहर को संरक्षित करना, पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इको-टूरिज्म को नई दिशा देना है। इस पहल से भोरमदेव क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों को प्रकृति के

करीब पहुंचने का अवसर मिलेगा। साथ ही स्थानीय स्तर पर पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने से रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भोरमदेव धाम अपनी ऐतिहासिक, धार्मिक और प्राकृतिक विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है। यहां स्थित प्राचीन मंदिरों के साथ-साथ आसपास का वन क्षेत्र, पहाड़ियां और प्राकृतिक वातावरण पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। ईको ट्रेल के माध्यम से इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता को सुरक्षित रखते हुए पर्यटन को व्यवस्थित रूप से विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

मैनपाट में हुड़दंग मचाने वाले बाइकर गैंग के 60 बाइक जब्त

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मैनपाट में तेज रफ्तार बाइक चलाने और मॉडिफाइड साइलेंसर्स से शोर मचाकर पर्यटकों व स्थानीय लोगों को परेशान करने वाले बाइकर गैंग के खिलाफ कमलेश्वरपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर मौके से 60 बाइक जब्त की हैं। वहीं, सभी बाइक चालकों को पूछताछ के लिए थाने लाया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से हुड़दंग करने वाले युवाओं में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, मैनपाट क्षेत्र में पिछले कुछ समय से बाइकर गैंग की

गतिविधियां लगातार बढ़ रही थीं। बड़ी संख्या में युवक समूह बनाकर पर्यटन स्थल और आसपास की सड़कों पर तेज रफ्तार से बाइक दौड़ा रहे थे। इसके अलावा कई बाइक में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाए गए थे। जिनसे पटाखों जैसी तेज आवाज निकलती थी। इससे पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। स्थानीय लोगों और पर्यटकों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। कमलेश्वरपुर पुलिस ने पर्यटन स्थलों और प्रमुख मार्गों पर निगरानी बढ़ाई और विशेष चेकिंग अभियान शुरू किया।

बाल विवाह मुक्त समाज के साथ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में प्रदेश में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिकाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सूरजपुर में महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बाल विवाह के दुष्परिणामों, बाल

विवाह प्रतिषेध अधिनियम, सेफ टच-अनसेफ टच, नशे से बचाव, किशोर न्याय अधिनियम, यातायात नियमों तथा मासिक धर्म स्वच्छता पर जानकारी दी गई।

बलरामपुर पुलिस को मिली एक बस और 18 मोटर साइकिलें

बलरामपुर। साप्ताहिक जनरल परेड का आयोजन बलरामपुर-रामानुजगंज पुलिस ने रक्षित केंद्र बलरामपुर में किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक वैभव बेंकर (भा.पु.से.) ने पुलिस इकाई को मिली नई बस और 18 मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाकर पुलिस बेड़े में शामिल किया। नए वाहनों के मिलने से पुलिस की गश्त, कानून व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय एकता दिवस 2026 और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर रक्षित केंद्र परिसर में एकता वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। अधिकारियों और जवानों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। साप्ताहिक जनरल परेड की शुरुआत परेड कमांडर रक्षित निरीक्षक विमलेश कुमार देवांगन द्वारा पुलिस अधीक्षक वैभव बेंकर को सलामी देने के साथ हुई। इसके बाद पुलिस

अधीक्षक ने परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जवानों के अनुशासन, वर्दी की साफ-सफाई और परेड प्रदर्शन का जायजा लिया गया। बेहतर टर्न आउट और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चार अधिकारी-कर्मचारियों को पुलिस अधीक्षक ने सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। जनरल परेड के बाद छत्तीसगढ़ शासन के गृह (पुलिस) विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई एक नई बस और 18 मोटरसाइकिलों का शुभारंभ किया गया।

विकास... अबूझमाड़ के कटेर गांव तक पहुंचना अब हुआ आसान

विकास की राह, सड़क ने बदली ग्रामीणों की जिंदगी

रायपुर। कभी घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे अबूझमाड़ के कटेर गांव तक पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं था। बारिश के दिनों में संकरी पगडंडियां भी कीचड़ में बदल जाती थीं। बीमारों को अस्पताल पहुंचाने, बच्चों को स्कूल भेजने और किसानों को अपनी उपज बाजार तक ले जाने में घंटों लग जाते थे। आज वही गांव पक्की सड़क से जुड़ चुका है और इसके साथ ही ग्रामीणों की जिंदगी भी बदलने लगी है। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत डॉडरीबेड़ा कैंप से कटेर तक 8.75 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण लगभग 8.56 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। यह सड़क केवल दो स्थानों को नहीं जोड़ती, बल्कि अबूझमाड़ के दूरस्थ जनजातीय अंचल को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का माध्यम बन गई है।

जरूरी सेवाएं सीधे गांव तक पहुंच रही

सड़क बनने के बाद अब एम्बुलेंस, शासकीय वाहन और अन्य जरूरी सेवाएं सीधे गांव तक पहुंच रही हैं। इससे स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हुआ है और गंभीर मरीजों को समय पर इलाज मिलने लगा है। स्कूलों में विद्यार्थियों और शिक्षकों की नियमित उपस्थिति भी बढ़ी है। इस बदलाव का सबसे अधिक लाभ किसानों और वनोपज संग्राहकों को मिला है। अब वे अपनी उपज आसानी से बाजार तक पहुंचा रहे हैं, जिससे बेहतर दाम मिलने की उम्मीद बढ़ी है। प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य निर्माण कार्यों के लिए सामग्री पहुंचाना भी पहले की तुलना में आसान हो गया है। बिजली, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को भी गति मिली है।

ग्रामीणों का कहना- जीना हुआ आसान

ग्रामीणों का कहना है कि पहले गांव तक पहुंचने के लिए घंटों पैदल चलना पड़ता था, लेकिन अब वाहन सीधे गांव तक आते हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई, मरीजों के इलाज और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना काफी आसान हो गया है। अबूझमाड़ में बनी यह सड़क बताती है कि मजबूत संपर्क मार्ग केवल आवागमन का साधन नहीं होते, बल्कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बेहतर जीवन की नई संभावनाओं का रास्ता भी खोलते हैं। यही बदलाव अब कटेर और आसपास के गांवों में साफ दिखाई देने लगा है।

खैरागढ़ क्षेत्र में कांग्रेस के 10 कार्यकर्ता बीजेपी में हुए शामिल

रायपुर। खैरागढ़ के गातापार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के 10 कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह एवं प्रदेश भाजपा प्रवक्ता व केसीजी जिला प्रभारी नलिनीश ठोकने की उपस्थिति में सभी कार्यकर्ताओं का भाजपा में प्रवेश कराया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने नवप्रवेशी कार्यकर्ताओं का गमछा पहनाकर एवं तिलक लगाकर स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं पर आधारित संगठन है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता को सम्मान और अवसर मिलता है। उन्होंने पार्टी की रीति-नीति और संगठन की कार्यप्रणाली की भी जानकारी दी। विक्रांत सिंह ने कहा कि

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए आम जनता तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कहा कि केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार होने से विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने तथा संगठन के कार्यों को परिवार की जिम्मेदारी समझकर समर्पण भाव से निभाने का आह्वान किया।

नारायण अग्रवाल (हीराग्रुप) के सौजन्य से निर्मित गौ आश्रय शेड क्रमांक-3 का लोकार्पण

गौसेवा एवं "पूर्वजों के नाम दो वृक्ष" अभियान को मिली नई दिशा

रायपुर। ग्राम तर्रा (बलौदाबाजार रोड) स्थित निर्माणाधीन अग्र सेवा गौशाला में आज श्री नारायण अग्रवाल (हीरा ग्रुप), रायपुर के सौजन्य से निर्मित आधुनिक गौ आश्रय शेड क्रमांक-3 का शुभारंभ अत्यंत श्रद्धा एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। शेड का लोकार्पण श्री दिनेश अग्रवाल जी के करकमलों द्वारा गौमाता पूजन, आरती एवं गुड़-रोटी सेवा के साथ किया गया।

अग्र सेवा गौशाला में वर्तमान में लगभग 220 निराश्रित, वृद्ध एवं असहाय गौवंशों की सेवा एवं संरक्षण किया जा रहा है। नवनिर्मित शेड के प्रारंभ होने से गौमाताओं के सुरक्षित आश्रय की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। संस्था का लक्ष्य चरणबद्ध रूप से लगभग 500 गौवंशों के लिए आधुनिक एवं सुव्यवस्थित आश्रय उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी रविवार को गौशाला परिसर में "पूज्य बुजुर्गों एवं पूर्वजों के नाम दो वृक्ष" अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, गौमाताओं को शुद्ध एवं शीतल वातावरण उपलब्ध कराना तथा पूर्वजों की पावन स्मृतियों को चिरस्थायी बनाना है।

अग्र सेवा सोसायटी के अध्यक्ष श्री कैलाश अग्रवाल ने कहा कि गौसेवा केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सेवा और संवेदना का जीवंत स्वरूप है। उन्होंने समाज के सभी परिवारों से आग्रह किया कि वे अपने या अपने पियजनों की स्मृति में तथा जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पुण्यतिथि अथवा अन्य शुभ अवसरों पर सपरिवार गौशाला आकर गौमाताओं की सेवा करें। साथ ही अपने अपनों की पावन स्मृति में एक गौमाता की एक वर्ष की संपूर्ण सेवा का संकल्प लेकर इस पुण्य अभियान से जुड़ें। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रत्येक सहयोग निराश्रित गौमाताओं के जीवन में सुरक्षा, संरक्षण और सम्मान का आधार बनेगा तथा नई पीढ़ी को सेवा, संस्कार और भारतीय संस्कृति से जोड़ने का माध्यम भी बनेगा।

अग्र सेवा सोसायटी एवं अग्रसेवा गौशाला संचालन समिति ने श्री नारायण अग्रवाल (हीरा ग्रुप) एवं उनके परिवार के प्रति इस प्रेरणादायी गौसेवा सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि समाज के अन्य सेवाभावी परिवार भी इस पुनीत अभियान से जुड़कर गौसेवा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में अपना योगदान देंगे।

शीतला जुड़वास महोत्सव के अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा में दंडी स्वामी ज्योतिर्मानंद महाराज का आगमन

श्रीकृष्ण बाल लीलाओं एवं सुदामा चरित्र का हुआ भावपूर्ण वर्णन

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। नगर के भाटापारा वार्ड क्रमांक 15 में आयोजित शीतला जुड़वास महोत्सव के अवसर पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा में दंडी स्वामी ज्योतिर्मानंद महाराज पधारे और धर्मसभा को संबोधित करते हुए सनातन धर्म, भक्ति और सदाचार का संदेश दिया। कथा व्यास आचार्य अक्षय नारायण दुबे महाराज ने दंडी स्वामी का पुष्पहार एवं शाल भेंटकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कथा के दौरान आचार्य अक्षय नारायण दुबे महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन करते हुए बताया कि प्राचीन काल में जब भगवान विष्णु ने अधर्म के विनाश और धर्म की स्थापना के लिए श्रीकृष्ण के रूप में अवतार लिया, तब उनके बाल्यकाल की अनेक दिव्य लीलाएं आज भी भक्तों को भक्ति और आस्था का संदेश देती हैं।

उन्होंने बताया कि एक दिन नंदगांव में बालक श्रीकृष्ण मिट्टी के आंगन में खेल रहे थे। उसी समय उनके बड़े भाई बलराम (दाऊ) ने देखा कि कान्हा मिट्टी खा रहे हैं। दाऊ ने इसकी शिकायत माता यशोदा से की। माता यशोदा ने श्रीकृष्ण से पूछा कि क्या उन्होंने मिट्टी खाई है, लेकिन कान्हा ने मुस्कुराते हुए इंकार कर दिया। जब माता ने उनसे मुंह खोलने को कहा, तब श्रीकृष्ण ने अपना मुख खोला। माता यशोदा ने उसमें मिट्टी नहीं, बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड, समस्त लोक, सृष्टि और चराचर जगत का दिव्य दर्शन किया। इस अलौकिक दृश्य को देखकर माता यशोदा आश्चर्यचकित रह गईं और प्रभु की दिव्यता का अनुभव किया। कथा व्यास आचार्य अक्षय नारायण दुबे महाराज ने सुदामा चरित्र का अत्यंत मार्मिक वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता सच्चे प्रेम, समर्पण और निस्वार्थ भाव का सर्वोच्च उदाहरण है। निर्धनता से विवश सुदामा अपनी पत्नी के आग्रह पर मुट्ठीभर चिवड़ा लेकर द्वारका पहुंचे। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बालसखा का बड़े प्रेम और सम्मान के साथ स्वागत किया तथा बिना कुछ मांगे ही सुदामा का जीवन सुख-समृद्धि से भर दिया। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि भगवान अपने सच्चे भक्तों के प्रेम और भावना के आगे सब कुछ अर्पित कर देते हैं।

कथा के दौरान भजन-कीर्तन और श्रीकृष्ण की मनमोहक लीलाओं का श्रवण कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

नंद घर अभियान को मिलेगा विस्तार, अनिल अग्रवाल फाउंडेशन और बिहार सरकार ने किया एमओयू

बिहार । वेदांता के चेयरमैन श्री अनिल अग्रवाल ने बिहार में बच्चों और महिलाओं के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से अनिल अग्रवाल फाउंडेशन और बिहार सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की घोषणा की है। इस पहल के तहत बिहार में नंद घर मॉडल का विस्तार किया जाएगा, जिससे प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं और महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए गए अपने संदेश में श्री अग्रवाल ने बिहार से अपने गहरे भावनात्मक जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका रिश्ता केवल जन्मभूमि से नहीं, बल्कि उन मूल्यों और संस्कारों से भी है, जिन्होंने उनके व्यक्तित्व और जीवन दृष्टि को आकार दिया। उन्होंने कहा कि बिहार के लिए योगदान देना उनके लिए जिम्मेदारी के साथ-साथ सौभाग्य का विषय है।

उन्होंने कहा कि जीवन के शुरुआती छह वर्षों में मिलने वाली शिक्षा और संस्कार बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव रखते हैं। इसी सोच के साथ नंद घरों के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा, बेहतर पोषण और स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकें।

महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि नंद घर केवल बच्चों के विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को कौशल विकास के अवसर प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का भी माध्यम बनेगा। उनका मानना है कि जब एक महिला सशक्त होती है, तो उसके साथ पूरा परिवार और आने वाली पीढ़ियाँ भी आगे बढ़ती हैं।

उन्होंने कहा कि नंद घर पहल बिहार के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत है और इसके बाद राज्य के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना उनकी अगली प्रमुख प्राथमिकता होगी।

श्री अग्रवाल ने इस ऐतिहासिक पहल के लिए बिहार सरकार, मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, संबंधित विभागों, जिला प्रशासन और स्थानीय प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए सभी से नंद घर आंदोलन को बिहार के हर कोने तक पहुँचाने का आह्वान किया। नंद घर पहल का उद्देश्य आधुनिक सुविधाओं से युक्त आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना तथा महिलाओं को कौशल विकास एवं आजीविका के अवसर प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना है। यह पहल राज्य में सामाजिक विकास और समावेशी प्रगति को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

अश्वनी शर्मा ने दतरेंगी स्कूल में सायकल वितरण किया

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर से 5 किलोमीटर दूर ग्राम दतरेंगी के हायर सेकण्डरी स्कूल में शासन की सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत छात्राओं को भाटापारा नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने सायकल वितरित किया । इस दौरान उन्होंने कहा कि सरस्वती सायकल योजना सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है । जिससे छात्राओं को आत्म निर्भर बनाने तथा शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने का मुख्य लक्ष्य है । सायकल वितरण के पश्चात सभी छात्राओं को अपने घर से स्कूल आने जाने में सुविधा प्राप्त होगी । उक्त अवसर पर उन्होंने सभी छात्राओं के उज्जवल भविष्य एवं शैक्षणिक प्रगति की कामना करते हुए शर्मा ने सभी छात्राओं को मन लगाकर अध्ययन अध्यापन करने व अच्छे अंको के साथ सभी कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपने परिवार , स्कूल एवं क्षेत्र का नाम रोशन करने का आव्हान किया । उपरोक्त अवसर पर बड़ी तादाद में दतरेंगी ग्रामवासी के अलावा छात्राओं के पालक स्कूल स्टॉफ तथा अनेक भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजुद थे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : नारायण भूषणिया द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर-40/44 इंडस्ट्रीयल एरिया बीरगांव उरला रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कराकर एच.डी.डी./49, फेस-2 मेन रोड, कबीर नगर रायपुर से प्रकाशित, संपादक-नारायण भूषणिया मो.नं. 09300491602, RNI पंजीयन क्रमांक: CHHHIN/2010/34778, Email ID- krantirath.cg@gmail.com, / web- www.krantirath.com